twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | रविवार, 29 जून, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 223, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पीएम मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' सम्मान

प्रधानमंत्री ने जैन आध्यात्मिक गुरु आचार्य विद्यानंद महाराज की जयंती के शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैन आध्यात्मिक गुरु आचार्य विद्यानंद महाराज की जयंती के शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित भी किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि जैन आध्यात्मिक गुरु आचार्य विद्यानंद महाराज के विचारों ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को प्रेरित किया है। पीएम मोदी ने एक जैन संत के पिछले प्रवचन का भी जिक्र किया और कहा कि वे 'ऑपरेशन सिंदूर' को आशीर्वाद दे रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री की ओर से यह कहे जाने पर कि जो हमें छेड़ेगा..., वहां मौजूद लोगों ने जमकर 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। हालांकि, पीएम मोदी ने इस मुद्दे पर आगे कुछ नहीं कहा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने अपने नौ संकल्पों को दोहराया और लोगों से उनका पालन करने की अपील की। संकल्प हैं- पानी बचाना, मां की याद में एक पेड़ लगाना, स्वच्छता, 'वोकल फॉर लोकल', देश में अलग-अलग जगहों की यात्रा करना, प्राकृतिक खेती को अपनाना, सेहतमंद जीवनशैली अपनाना, खेल व योग अपनाना और गरीबों की मदद करना।

पीएम मोदी ने कहा, 'आज हम सब भारत की अध्यात्म परंपरा के एक महत्वपूर्ण अवसर के साक्षी बन रहे हैं। पूज्य आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज, उनकी जन्म शताब्दी का ये पुन्य पर्व... उनकी अमर प्रेरणाओं से ओत-प्रोत यह कार्यक्रम एक अभूतपूर्व प्रेरक वातावरण का निर्माण हम सबको प्रेरित कर रहा है। मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं। मुझे आने का अवसर देने के लिए आप सब का आभार व्यक्त करता हूं। आज का ये दिन एक और वजह से बहुत विशेष है। 28 जून यानी, 1987 में आज की तारीख पर ही आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज को आचार्य पद की उपाधि प्राप्त हुई थी। ये सिर्फ एक सम्मान नहीं था, बल्कि जैन परंपरा को विचार, संयम और करूणा से जोड़ने वाली एक पवित्र धारा प्रवाहित हुई।' उन्होंने कहा, 'आज जब हम उनकी जन्म शताब्दी मना रहे हैं, तब ये तारीख हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाती है। इस अवसर पर आचार्य विद्यानंद मुनिराज की चरणों में नमन करता हूं। उनका आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे, ये प्रार्थना करता हूं।

आज इस अवसर पर आपने मुझे 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि देने का जो निर्णय लिया है।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में भाजपा ने मांगा सीएम ममता का इस्तीफा

कोलकाता/एजेंसी

भाजपा ने पश्चिम बंगाल सामूहिक दुष्कर्म के मामले में राज्य की टीएमसी सरकार पर हमला बोला। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि 'जिस राज्य की सीएम एक महिला हैं, वहां महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए, लेकिन वहां इतनी असंवेदनशीलता और निर्दयता क्यों है? पीड़िता ने जो बयान दिया है, उससे साफ पता चलता है कि सामूहिक दुष्कर्म की यह घटना कहीं न कहीं राज्य प्रायोजित है।'

भाजपा ने जांच के लिए बनाई समिति

संबित पात्रा ने कहा कि 'यह क्रूर घटना राजनीति से प्रेरित है। मैं ऐसा क्यों कह रहा हूं क्योंकि यह पूरा मामला कॉलेज संघ से जुड़ा है। मुख्य आरोपी खुद टीएमसी की छात्र शाखा का सचिव रहा है और वह टीएमसी का सदस्य है।' भाजपा सांसद ने कहा कि 'भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घटना की जांच के लिए एक समिति गठित की है। ये समिति घटनास्थल पर जाएगी और जांच करेगी। इस समिति के सदस्यों में पूर्व केंद्रीय मंत्री सतपाल सिंह, मीनाक्षी लेखी और सांसद बिप्लव देब और मनन मिश्रा शामिल हैं। समिति जल्द ही जांच के बाद अपनी रिपोर्ट भाजपा अध्यक्ष को सौंपेगी।'

टीएमसी के शीर्ष नेताओं के साथ दिखा मुख्य आरोपी

भाजपा ने कहा कि 'हम सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर ममता बनर्जी से स्पष्टीकरण नहीं मांग रहे हैं बल्कि हम उनसे माफी मांगने और सीएम पद से इस्तीफा देने की मांग करते हैं।' उन्होंने कहा कि 'पीड़िता को हॉकी से पीटा गया। जिस तरह से डरावनी फिल्मों में शैतान महिलाओं के साथ सलूक करते हैं, वैसा ही सलूक टीएमसी के गुंडों ने पीड़िता के साथ किया। वे उसे अस्पताल लेकर नहीं गए। टीएमसी का नेता मनोजीत मिश्रा इसमें मुख्य आरोपी है। उसे अभिषेक बनर्जी, मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य के साथ भी देखा गया है। पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा है कि अगर कोई छात्र सहपाठी से दुष्कर्म करता है तो उसमें हम क्या कर सकते हैं?'

राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

भाजपा नेता और बंगाल विधानसभा में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए।

भारत सेवा प्रधान देश है, मानवता प्रधान देश है: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पीएम ने कहा, 'भारत सेवा प्रधान देश है, मानवता प्रधान देश है। दुनिया में जब हजारों वर्षों तक हिंसा को हिंसा से शांत करने के प्रयास हो रहे थे.... तब भारत ने दुनिया को अहिंसा की शक्ति का बोध कराया। हमने मानवता की सेवा की भावना को सर्वोपरि रखा। सब साथ चलें, हम मिलकर आगे बढ़ें... यही हमारा संकल्प है।'

हमने आचार्य श्री जैसे संतों के प्रयासों को देश का प्रयास बनाया। हमारी सरकार ने प्राकृत को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया। हम भारत की प्राचीन पाण्डुलिपियों को डिजिटलीकरण करने का अभियान भी चला रहे हैं। हमें विकास और विरासत को एक साथ लेकर आगे बढ़ना है।

शताब्दी समारोह: डाक टिकट और सिक्के जारी किए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आचार्य विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह में शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी ने आचार्य विद्यानंद जी महाराज की 100वीं जयंती के अवसर पर उनके शताब्दी समारोह के दौरान डाक टिकट और इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'यह दिन इसलिए भी खास है, क्योंकि 28 जून 1987 को आचार्य विद्यानंद मुनिराज को 'आचार्य' की उपाधि मिली थी। यह सिर्फ सम्मान नहीं था, बल्कि जैन संस्कृति को विचारों, संयम और करुणा से जोड़ने वाली 'पवित्र धारा' भी थी। आज जब हम उनकी 100वीं जयंती मना रहे हैं तो यह हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है...' भगवान महावीर अहिंसा की शक्ति का बोध कराया। हमने मानवता की सेवा की भावना को सर्वोपरि रखा। सब साथ चलें, हम मिलकर आगे बढ़ें... यही हमारा संकल्प है।' पीएम मोदी ने कहा, 'प्राकृत भारत की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है। ये भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा है, लेकिन अपनी संस्कृति की उपेक्षा करने वालों के कारण ये भाषा सामान्य प्रयोग से बाहर होने लगी थी।

भारती ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम एक साल तक चलने वाले राष्ट्रीय श्रद्धांजलि समारोह की औपचारिक शुरूआत का प्रतीक है। इसका उद्देश्य आचार्य विद्यानंद जी महाराज की 100वीं जयंती का सम्मान करना है। साहित्यिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक पहल की जाएंगी। समारोह का उद्देश्य आचार्य विद्यानंद जी महाराज के जीवन और परम्परा का जश्न मनाने के साथ-साथ उनके संदेश का प्रसार करना है। आचार्य विद्यानंद जी महाराज ने जैन दर्शन और नैतिकता विषय पर 50 से अधिक पुस्तकों की रचना की है। उन्होंने विशेष रूप से प्राकृत, जैन दर्शन और शास्त्रीय भाषाओं में शिक्षा के लिए काम किया और देश भर में प्राचीन जैन मंदिरों के जीर्णोद्धार और पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हमारा चिंतन अमर है, हमारा दर्शन अमर है: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पीएम मोदी ने कहा, 'भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है। हम हजारों वर्षों से अमर हैं, क्योंकि... हमारे विचार अमर हैं, हमारा चिंतन अमर है, हमारा दर्शन अमर है। इस दर्शन के स्रोत हैं- हमारे ऋषि-मुनि, महर्षि, संत और आचार्य। आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज, भारत के इसी परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तंभ हैं। आचार्य विद्यानंद महाराज कहते थे कि जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब जीवन स्वयं ही सेवामय बन जाए। उनका ये विचार जैन दर्शन की मूल भावना से जुड़ा हुआ है, ये विचार... भारत की चेतना से जुड़ा हुआ है।' उन्होंने कहा, 'भारत सेवा प्रधान देश है, मानवता प्रधान देश है। दुनिया में जब हजारों वर्षों तक हिंसा को हिंसा से शांत करने के प्रयास हो रहे थे.... तब भारत ने दुनिया को अहिंसा की शक्ति का बोध कराया। हमने मानवता की सेवा की भावना को सर्वोपरि रखा। सब साथ चलें, हम मिलकर आगे बढ़ें... यही हमारा संकल्प है।' पीएम मोदी ने कहा, 'प्राकृत भारत की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है। ये भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा है, लेकिन अपनी संस्कृति की उपेक्षा करने वालों के कारण ये भाषा सामान्य प्रयोग से बाहर होने लगी थी।

संविधान के प्रस्तावना में बदलाव संभव नहीं, फिर भी 1976 में इसे बदला गया: उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली/एजेंसी

आरएसएस ने संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों की समीक्षा करने का मुद्दा उठाया था। अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता क्योंकि यह वह बीज है जिस पर यह दस्तावेज विकसित होता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आपातकाल को लेकर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता क्योंकि यह वह बीज है जिस पर यह दस्तावेज विकसित होता है। लेकिन भारत के अलावा किसी अन्य देश के संविधान की प्रस्तावना में परिवर्तन नहीं किया गया। एक पुस्तक विमोचन समारोह में उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 1976 के 42वें संविधान (संशोधन) अधिनियम द्वारा बदल दिया गया। इसमें समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता जैसे शब्द जोड़े गए। हमें इस पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीआर आंबेडकर ने संविधान पर कड़ी मेहनत की थी और उन्होंने इस पर ध्यान केंद्रित किया होगा।

पीएम मोदी ने स्पेस मिशन पर गए शुभांशु से बात की

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बात की। उन्होंने इस दौरान शुभांशु से पूछा कि क्या हलवा अपने साथियों को खिलाया। इसके जवाब में कैप्टन ने कहा कि ये कुछ चीजें मैं अपने देश की खाने की लेकर आया था, जैसे गाजर का हलवा, मूंगदाल का हलवा और आमरस। मैं चाहता था कि ये बाकी देशों से मेरे साथी हैं, वो भी इसका स्वाद लें। वो भी भारत की समृद्ध विरासत का अनुभव करें। हम सभी ने बैठकर साथ में इसका स्वाद लिया। सबको बहुत पसंद आया। पीएम मोदी कर पर गए शुभांशु से बोले- आपकी यात्रा नए युग का शुभ आरंभ, देश की भावनाएं आपके साथ शुभांशु इन दिनों नासा के एक्सिओम 4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) की यात्रा पर हैं। शुभांशु शुक्ला बुधवार को ऐतिहासिक यात्रा पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए रवाना हुए, जो 41 साल के अंतराल के बाद भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान में वापसी का प्रतीक है। प्रधानमंत्री- आज आप हमारी मातृभूमि से दूर हैं, लेकिन आप भारतीयों के दिलों के सबसे करीब हैं। आपके नाम में भी शुभ है और आपकी यात्रा नए युग का शुभारंभ भी है। इस समय सिर्फ हम दोनों ही बात कर रहे हैं, लेकिन 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं भी मेरे साथ हैं। मेरी आवाज में सभी भारतीयों का उत्साह और उमंग है। मैं आपको अंतरिक्ष में हमारा झंडा फहराने के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। क्या वहां सब ठीक है? क्या आप ठीक हैं? शुभांशु- पीएम मोदी आपकी और 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं यहां ठीक और सुरक्षित हूं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, यह एक नया अनुभव है। यह यात्रा सिर्फ मेरी नहीं बल्कि पूरे देश की यात्रा है।

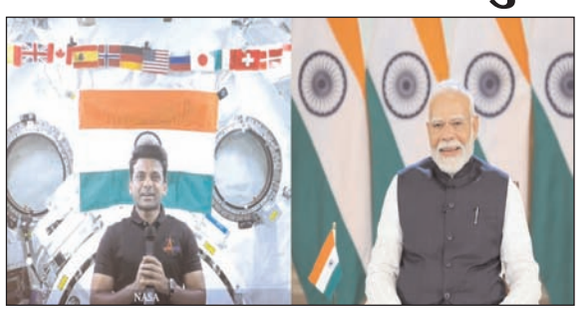

हिंदू समाज को स्नेह सूत्र में बांधना संघ का लक्ष्य: मोहन भागवत

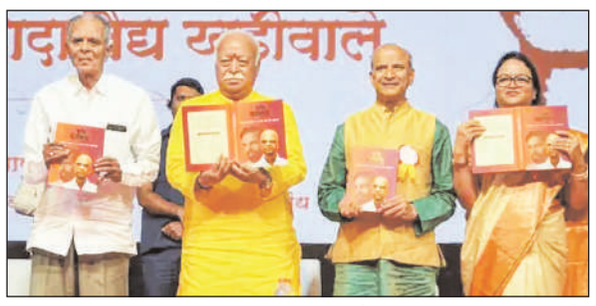

पुणे/एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल विचार अपनापन है। अगर संघ को एक शब्द में बयान किया जाए तो वह 'अपनापन' होगा। भागवत बोले- संघ का उद्देश्य पूरे हिंदू समाज को अपनेपन और स्नेह के सूत्र में बांधना है। साथ ही, हिंदू समाज ने यह जिम्मेदारी भी ली है कि वह पूरी दुनिया को भी इसी अपनेपन के सूत्र में बांधे। संघ प्रमुख भागवत पुणे में आयुवेर्दाचार्य दिवंगत वैद्य पीवाय खडीवाले की जीवनी के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे।

भागवत के बयान की बड़ी बातें...: जानवरों के मुकाबले इंसान के पास बुद्धि होती है। अगर वह बुद्धि का सही इस्तेमाल करे तो और बेहतर बन सकता है, लेकिन अगर उसी बुद्धि का गलत इस्तेमाल करे तो और भी बुरा बन सकता है। इंसान को बुराई से रोकने वाली एकमात्र चीज है अपनापन और स्नेह। गिविंग बैक शब्द आज अंग्रेजी में फैशन बन गया है, लेकिन भारत में यह भावना बहुत पहले से है। भागवत ने कहा कि संघ यह सिखाता है कि अगर कोई आपके प्रति अपनापन दिखा रहा है, तो आपको भी वैसा ही स्नेह और करुणा दिखानी चाहिए। संघ क्या करता है। यह हिंदुओं को संगठित करता है। इस बढ़ती हुई आत्मीयता की भावना को और मजबूत किया जाना चाहिए, क्योंकि पूरा विश्व इसी से चलता है। वास्तविक एकता उस सामान्य सूत्र को पहचानने से आती है जो सभी को जोड़ता है। आरएसएस अपना शताब्दी वर्ष सैकड़ों हिंदू सम्मेलनों और सामुदायिक बैठकों के साथ मनाने जा रहा है। जो पूरे देश में आयोजित होंगे।

देश में शून्य खुराक वाले बच्चों का प्रतिशत घटा

नई दिल्ली/एजेंसी

देश में शून्य खुराक वाले बच्चों का प्रतिशत साल 2023 में 0.11 से घटकर 2024 में 0.06 प्रतिशत हो गया है। बाल मृत्यु दर अनुमान के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की 2024 की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। शून्य खुराक वाले बच्चे वे हैं जिन्हें डिप्थीरिया, टेटनस और पर्टुसिस (डीटीपी) टीके की पहली खुराक नहीं मिली है। यूएन-एमएमईआईजी 2000-2023 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का एमएमआर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 80 है, जो 1990 के बाद से 48 प्रतिशत की वैश्विक कमी के परिप्रेक्ष्य में 86 प्रतिशत की गिरावट को दशार्ता है। यूएनआईजीएमई 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर में 78 प्रतिशत की गिरावट हासिल की है, जो वैश्विक कमी 61 प्रतिशत से ज्यादा है और नवजात मृत्यु दर में 70 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि 1990 - 2023 के दौरान वैश्विक स्तर पर यह 54 प्रतिशत थी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि शून्य खुराक कार्यान्वयन योजना 2024 को 11 राज्यों के 143 जिलों में शुरू किया गया है, जहां टीकाकरण से वंचित बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है। राज्य सरकारों के सहयोग से 2017 में तेजी से किए गए मिशन इंद्रधनुष के तहत 5.46 करोड़ बच्चों और 1.32 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया है। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस और उप-राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के जरिए भारत ने 2014 से पोलियो-मुक्त स्थिति बनाए रखी है। टीकाकरण के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता, इसके सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम में दिखती है।

आईपीएस पराग जैन रॉ चीफ बने

1 जुलाई से चार्ज संभालेंगे, दो साल का कार्यकाल रहेगा

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत सरकार ने 1989 बैच के पंजाब कैडर के **आईपीएस** पराग जैन को देश की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग का नया चीफ नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल दो साल का होगा। वे रवि सिन्हा की जगह लेंगे, जो 30 जून को रिटायर हो रहे हैं। पराग लंबे से रॉ से जुड़े हैं। उन्होंने **रॉ** के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल के साथ मिलकर काम किया है। वे पाकिस्तान डेस्क को संभाल रहे हैं। उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने और बालाकोट एयरस्ट्राइक जैसे अहम मिशन पर काम किया है। पराग एविएशन रिसर्च सेंटर के प्रमुख भी हैं, जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी शिविरों की पहचान में अहम भूमिका निभाई थी। पराग जैन एसएसपी चंडीगढ़ और डीआईजी लुधियाना के पद पर भी रहे हैं। पंजाब में ड्यूटी के दौरान उन्होंने आतंकवाद विरोधी कई ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

युवा मॉक पार्लियामेंट नीति-निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम की धरती से युवाओं को दिया राष्ट्र निर्माण का मंत्र

चंडीगढ़/एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवा मॉक पार्लियामेंट सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, यह लोकतंत्र का उत्सव और नीति-निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस मॉक पार्लियामेंट के माध्यम से देश को यह स्पष्ट संदेश दें कि लोकतंत्र की रक्षा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज गुरुग्राम में आयोजित युवा मॉक पार्लियामेंट में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा मॉक पार्लियामेंट केवल एक शैक्षणिक अभ्यास भर नहीं है, बल्कि आज के दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में भी याद करते हुए, आपातकाल के उस काले अध्याय पर विमर्श करने का अवसर है, जिसने लोकतंत्र की आत्मा को कुचलने का दुस्साहस किया था।

गुरुग्राम ने हमेशा नवाचार और आकांक्षा की भावना को आगे बढ़ाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम की धरती पर आयोजित यह कार्यक्रम न केवल युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है, बल्कि लोकतंत्र की एक सशक्त प्रयोगशाला के रूप में इसकी भूमिका अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि गुरु द्रोण की इस पावन भूमि और मिलेनियम सिटी के रूप में प्रसिद्ध गुरुग्राम ने हमेशा नवाचार और आकांक्षा की भावना को आगे बढ़ाया है। आज का यह आयोजन इस शहर की पहचान को और अधिक सशक्त करता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे आप जैसे ऊजार्वान युवाओं को देखते हैं, तो विकसित भारत और विकसित हरियाणा का संकल्प और भी सुदृढ़ हो जाता है। उन्होंने कहा कि अमृतकाल की यह पीढ़ी ही वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर करेगी। इस लक्ष्य की प्राप्ति में युवा मॉक पार्लियामेंट मील का पत्थर साहिब होगी।

संसद में गूंजने वाला हर शब्द और बनने वाला हर कानून देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन को करता है प्रभावित

नायब सिंह सैनी ने युवाओं से कहा कि वे संसद को केवल एक इमारत के रूप में न देखें बल्कि उसे 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं के केंद्र के रूप में समझें। संसद में गूंजने वाला हर शब्द और बनने वाला हर कानून देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है।

इस युवा मॉक पार्लियामेंट का उद्देश्य केवल संसदीय प्रक्रियाओं की नकल भर करना नहीं है बल्कि उस भावना को आत्मसात करना है जो भारतीय लोकतंत्र को विशिष्ट बनाती है। वे किसी भी विषय पर बोलते समय गहन अध्ययन करें और तथ्यों व आंकड़ों के आधार पर अपनी बात रखें।

दिल्ली की सीएम ने नरेला में नए डीटीसी डिपो का किया उद्घाटन ; 105 इलेक्ट्रिक 'देवी बसों' को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को नरेला के सेक्टर ए-9 में बने नए डीटीसी बस डिपो का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने 100 से ज्यादा नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बसें ÷दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरचेंज (देवी)÷ योजना के तहत चलाई जाएंगी। यह पहल दिल्ली में स्वच्छ और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए की गई है। उद्घाटन समारोह में बीजेपी सांसद योगेंद्र चंदोलिया, मंत्री पंकज कुमार सिंह और रविंदर इंद्राज सिंह समेत कई प्रमुख नेता भी मौजूद थे। इन इलेक्ट्रिक बसों का उद्देश्य प्रदूषण को कम करना, यात्रा को आरामदायक बनाना और आखिरी मील तक कनेक्टिविटी को बेहतर करना है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री पंकज कुमार मंत्री ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, प्रदूषण दिल्ली के लिए हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है, लेकिन इस बार ऐसा कोई मौका नहीं आया जब एनजीटी (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) को कोई सख्त कदम उठाना पड़ा हो। यह साफ हवा और प्रदूषण मुक्त दिल्ली की दिशा में बढ़ाया एक सकारात्मक कदम है। लोगों को आरामदायक और बेहतर यात्रा अनुभव देने के लिए इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत की गई है। नरेला क्षेत्र के बढ़ते महत्व पर बोलते हुए सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा, आज यहां से 105

इलेक्ट्रिक देवी बसों को रवाना किया गया है। नरेला में कई बड़ी सरकारी योजनाएं और विश्वविद्यालय बनाए जा रहे हैं, जिससे यह इलाका और भी अहम हो गया है।मंत्री सिंह ने नए बस डिपो के तेज निर्माण और उसकी गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा, यह टर्मिनल सिर्फ 90 दिनों में बनकर तैयार हुआ है और इसमें सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। ड्राइवरों, कंडक्टरों और यात्रियों के लिए आरओ पानी की सुविधा और एक बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सेंटर भी बनाया गया है। उनके मुताबिक, नरेला डिपो से 105 नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत दिल्ली के लोगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे उन्हें आधुनिक, आरामदायक और सुलभ परिवहन सुविधा मिलेगी, साथ ही वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी। नया बस टर्मिनल दिल्ली में इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क का एक अहम हिस्सा बनेगा। यह आने वाले वर्षों में राजधानी में ट्रैफिक से होने वाले प्रदूषण को घटाने में मदद करेगा। दिल्ली सरकार में मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने इलेक्ट्रिक देवी बस शुरू होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। दिल्ली में इस बार प्रदूषण रहित रही है। दिल्ली के लोगों को अच्छी यात्रा करने के लिए इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जा रही हैं।

आज इसी दिशा में दिल्ली सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। इसी को देखते हुए देवी बसों को शुरू किया जा रहा है। मैं दिल्ली की मुख्यमंत्री का धन्यवाद करना चाहूंगा, जिन्होंने इतना अच्छा कदम उठाया है।

भूपेंद्र पटेल ने की अहमदाबाद में 148वीं रथयात्रा की 'पहिंद'

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से आसाढी दूज शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की 148वीं रथयात्रा शुरुआत करने की 'पहिंद' विधि की। हर साल भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री भगवान के रथ

की पहिंद रस्म पूरी करते हैं और रथयात्रा शुरू कराते हैं। इस परंपरा को जारी रखते हुए श्री पटेल ने लगातार चौथी बार भगवान जगन्नाथ के रथ को सोने की झाड़ू से साफ कर पहिंद समारोह पूरा किया और सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इसे अपना सौभाग्य माना कि उन्हें आषाढ़ी बीज के पावन अवसर पर भगवान के दर्शन, आरती और रथ यात्रा आरंभ करने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ दरिद्रनारायण और श्रमिकों के भी आराध्य देव हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत का संकल्प लिया है तब उन्होंने यह भी प्रार्थना की है कि भगवान जगन्नाथ जी सभी को विकसित गुजरात से विकसित भारत के लिए भरपूर शक्ति प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक बन रही है। इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ मंदिर के महंत दिलीप दासजी, ट्रस्टी महेन्द्रभाई झा, अखिल भारतीय संत समिति के अध्यक्ष अविचल दासजी, स्थानीय विधायक, नगर भाजपा अध्यक्ष प्रेरक शाह एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। श्री पटेल ने आषाढ़ी बीज के अवसर पर देश-विदेश में रहने वाले सभी कच्छी लोगों को कच्छ नववर्ष की शुभकामनाएं भी दी हैं।

इंदौर में शिवराज-कैलाश के बीच बंद कमरे में चर्चा, बाहर इंतजार करती रहीं केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर

इंदौर। इंदौर में एक अहम राजनीतिक गतिविधि देखने को मिली, जब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राज्य के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक बंद कमरे में करीब 18 मिनट तक चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर कमरे के बाहर इंतजार करती रहीं। यह चर्चा इंदौर स्थित भारतीय सोयाबीन अनुसंधान केंद्र में हुई, जहां शिवराज सिंह चौहान एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। बातचीत के विषय को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी

सामने नहीं आई है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इस गोपनीय मुलाकात को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि बाहर आने के बाद मीडिया द्वारा सवाल किए जाने पर विजयवर्गीय ने इसे 'सामान्य भेंट' बताया। मुलाकात के दौरान विधायक मधु वर्मा, मनोज पटेल और भाजपा नेता सावन सोनकर पास के एक अन्य कमरे में मौजूद थे, जबकि केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर को बाहर इंतजार करने को कहा गया। सूत्रों के अनुसार, जब अधिकारियों ने शिवराज को इस बात की जानकारी दी कि ठाकुर बाहर प्रतीक्षा कर रही हैं, तो उन्हें कुछ समय और इंतजार करने को कहा गया।

दरअसल, शिवराज सिंह चौहान और कैलाश विजयवर्गीय ने भारतीय जनता युवा मोर्चा में साथ काम करते हुए अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। विजयवर्गीय ने राज्य स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत की, जबकि चौहान राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होते गए और बाद में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। जब 2003 में भाजपा की जीत के बाद उमा भारती की सरकार बनी तो विजयवर्गीय को मंत्रिमंडल में स्थान मिला। लेकिन उमा भारती के इस्तीफे के बाद राजनीतिक समीकरण बदले और नवंबर 2005 में चौहान मुख्यमंत्री बनाए गए। यहीं से दोनों नेताओं के बीच की दूरी बढ़ने लगी। पार्टी के अंदर उभरते मतभेदों को नियंत्रित करने के लिए विजयवर्गीय को राष्ट्रीय महासचिव बनाकर दिल्ली भेजा गया। यह फैसला भाजपा नेतृत्व द्वारा यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया कि मध्य प्रदेश में शिवराज की पकड़ बनी रहे और अंदरूनी संघर्षों को टाला जा सके। इंदौर में शिवानी हर्षित गुप्ता ने शिवराज को हाथ से बनी पेंटिंग गिफ्ट की। शिवानी ने बताया कि शिवराज सिंह जब मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने स्वरोजगार योजना लोन लेकर बुटीक का काम शुरू किया था। शिवानी ने 2014 में पांच लाख का लोन लिया था। आज वह पांच करोड़ का प्रोजेक्ट डाल रही है।

महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं, जगन्नाथ हैं, तो जीवन है : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू होने पर बधाई दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की मंगलकामना की। पीएम मोदी ने कहा, ÷भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। श्रद्धा और भक्ति का यह पावन उत्सव हर किसी के जीवन में सुख, समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, यही कामना है। जय जगन्नाथ! प्रधानमंत्री ने बधाई संदेश के अलावा अपने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें वो भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के बारे में बता रहे हैं। वीडियो संदेश में कहा गया, महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं। जगन्नाथ हैं, तो जीवन है। भगवान जगन्नाथ जनता जनार्दन को

दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण के लिए जा रहे हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आगे वीडियो में रथयात्रा की खूबियों के बारे में भी बताते हैं। कहते हैं कि रथयात्रा की पूरी दुनिया में एक विशिष्ट पहचान है। देश के अलग-अलग राज्यों में बहुत-बहुत धूमधाम से रथयात्रा निकाली जा रही है। ओडिशा के पुरी में निकाली जा रही रथयात्रा अपने आप में अद्भुत है।

प्रधानमंत्री वीडियो में कहते हैं कि इन रथ यात्राओं में जिस तरह से हर वर्ग, हर समाज के लोग उमड़ते हैं, वो अपने आप में बहुत अनुकरणीय है। यह आस्था के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत का भी प्रतिबिंब है। इस पावन अवसर पर आप सभी को बहुत-बहुत बधाई। साथ ही, प्रधानमंत्री ने अपने एक अन्य पोस्ट में आषाढ़ी बीज के विशेष अवसर पर दुनियाभर के कच्छी समुदाय के लोगों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, आषाढ़ी बीज के विशेष अवसर पर, विशेष रूप से दुनिया भर के कच्छी समुदाय को शुभकामनाएं। आने वाला वर्ष सभी के लिए शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए।

बता दें कि देशभर में प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाती है। वहीं, ओडिशा के पुरी की यात्रा सबसे बड़ी होती है। ओडिशा के पुरी से शुरू हुई यह जगन्नाथ यात्रा गुंडिचा मंदिर तक जाएगी। यह यात्रा 12 दिनों तक चलेगी। इसका समापन 15 जुलाई को नीलाद्रि विजय के साथ होगा, जब भगवान अपने मूल मंदिर लौटेंगे।

शाह ने अहमदाबाद के श्री जगन्नाथ मंदिर में की मंगला आरती

एजेंसी

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में अहमदाबाद के प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार को मंगला आरती की। श्री शाह ने अपने परिवार के साथ आज 148वीं रथ यात्रा के पावन अवसर पर यहां भगवान श्री जगन्नाथ की मंगला आरती, पूजा-अर्चना कर भक्तिभाव से दर्शन किए। हर साल आषाढ़ी बीज (दूज) के पावन अवसर पर भगवान जगन्नाथ जी अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकलते हैं। अहमदाबाद शहर ही नहीं, बल्कि गुजरात और देश भर में लाखों भक्त भगवान जगन्नाथ के लिए गहरी आस्था का प्रतीक है, उनकी रथयात्रा के इस पावन अवसर पर आज अहमदाबाद श्री जगन्नाथ मंदिर के महंत दिलीपदासजी, अखिल भारतीय संत समिति के अध्यक्ष अविचलदासजी, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी और सहकारिता राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, स्थानीय विधायक, संत-महंत और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

भारत में मधुमेह से पांच करोड़ से अधिक लोग बिना इलाज के

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। भारत में लगातार मधुमेह के मामले बढ़ते जा रहे है। देशभर में मधुमेह से पांच करोड़ से अधिक पीड़ितों का निदान नहीं हो पाया है। इस बीमारी से बचने के लिए नियमित जांच और जीवनशैली में बदलाव की तत्काल जरुरत है। राष्ट्रीय मधुमेह रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम के सलाहकार डॉ. नरेश पुरोहित ने कहा कि देश में मधुमेह का प्रसार 11.4 प्रतिशत है, जिसमें दस करोड़ से अधिक लोग वर्तमान में इस बीमारी से पीड़ित हैं। ऑस्ट्रेलियाई जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित अपनी हालिया वैज्ञानिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया गया है कि केरल में बच्चों में टाइप 2 मधुमेह के मामले में नाटकीय बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, एक समय में यह बीमारी मुख्य रूप से 40 वर्ष से अधिक उम्र के वयस्कों को प्रभावित करती थी, लेकिन अब यह 10 वर्ष की आयु के बच्चों को भी प्रभावित कर रही है। यह अब एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन गया है। उन्होंने

चेतावनी देते हुए कहा, यह स्थिति युवाओं के जीवन के लिए बड़ा जोखिम है और अगर माता-पिता अपने बच्चों की जीवनशैली में सुधार के लिए तत्काल कार्रवाई नहीं करते हैं, तो आगे चलकर इसके गंभीर परिणाम सामने आयेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया, ÷मधुमेह इंसुलिन की कमी या प्रतिरोध के कारण कार्बोहाइड्रेट को चयापचय (मेटाबोलाइज) करने की शरीर की खराब क्षमता के कारण होता है, जिससे रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है और दिल के दौरे, स्ट्रोक, गुर्दे की विफलता और न्यूरोपैथी जैसी गंभीर जटिलताएँ होती हैं। उन्होंने बताया कि टाइप 2 मधुमेह के 90 प्रतिशत से अधिक मामले हैं, जबकि टाइप 1 और गर्भावधि मधुमेह जैसे अन्य रूप भी जोखिम पैदा करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लक्षण अक्सर अस्पष्ट रहते हैं।

महाप्रभु श्रीजगन्नाथ से मेरी प्रार्थना कि पूरे विश्व में शांति, मैत्री और स्नेह का वातावरण रहे : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के विभिन्न राज्यों में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्राएं निकाली जा रही हैं। इस विशेष दिवस पर भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ नगर भ्रमण पर निकलते हैं। ओडिशा के पुरी में विश्व की सबसे बड़ी रथ यात्रा निकाली जाती है। इस खास अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, ÷पवित्र रथयात्रा के अवसर पर मैं देश-विदेश में रह रहे महाप्रभु जगन्नाथ के भक्तों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। रथ पर विराजमान बड़े ठाकुर बलभद्र, महाप्रभु श्रीजगन्नाथ, देवी सुभद्रा और चक्रराज सुदर्शन के दर्शन करके लाखों भक्त दिव्य अनुभूति प्राप्त करते हैं।' उन्होंने कहा, 'इन ईश्वरीय स्वरूपों की मानवीय लीला ही रथयात्रा की विशेषता है। इस पुण्य अवसर पर महाप्रभु श्रीजगन्नाथ से मेरी यह प्रार्थना है कि पूरे विश्व में शांति, मैत्री और स्नेह का वातावरण रहे।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जगन्नाथ यात्रा की शुरुआत होने पर बधाई दी। उन्होंने

अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट करके बताया, 'रथयात्रा के पावन अवसर पर श्री जगन्नाथ मंदिर, अहमदाबाद की मंगला आरती में शामिल होना अपने आप में दिव्य और अलौकिक अनुभव होता है। आज महाप्रभु की मंगला आरती में शामिल होकर दर्शन-पूजन किया। महाप्रभु सभी पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अच्छी सेहत और शांति समृद्धि की कामना करते हुए लिखा, ÷श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं। महाप्रभु जगन्नाथ सभी को सुख, अच्छा स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि प्रदान करें। सभी भक्तों को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध यात्रा की शुभकामनाएं। जय जगन्नाथ!वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी जगन्नाथ यात्रा की बधाई दी। उन्होंने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा, ÷? अनंताय जगन्नाथाय नमः। महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की रथ यात्रा के पुनीत अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। यह पावन यात्रा जनमानस में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को सहेजने और उसे नया उत्कर्ष प्रदान करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने मंगलकामना के साथ कहा, जय जगन्नाथ महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी के पवित्र रथ यात्रा की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। श्रद्धा, भक्ति और आस्था से ओत-प्रोत यह दिव्य यात्रा हम सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य का संचार करे, ऐसी मंगलकामना करता हूं।

पुरी में भगवान जगन्नाथ की मंगला आरती के बाद श्रृंगार किया गया

पुरी । ओडिशा में दुनिया की सबसे बड़ी रथ यात्रा होती है। आज सुबह छह बजे भगवान जगन्नाथ की मंगला आरती के बाद श्रृंगार किया गया और उसके बाद खिचड़ी का भोग लगाया गया। दैनिक पूजा-परंपराओं के बाद सुबह साढ़ नौ बजे भगवान मंदिर से बाहर लाने की विधियां शुरू हो गई हैं। रथों की पूजा कर बलभद्र, बहन सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को रथ में बैठाया जाएगा और मौसीबाड़ी के लिए रथ प्रस्थान करेगा। देशभर में शुक्रवार को जहां भगवान जगन्नाथ की रथ यात्राएं निकाली जा रही हैं, वहीं ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ शाम को चार बजे खींचे जाएंगे और मौसीबाड़ी, यानी गुंडिचा मंदिर की ओर प्रस्थान किया जायेगा। उदयपुर में करीब 80 किलो चांदी के रथ में भगवान सवार होंगे और मौसीबाड़ी,

यानी गुंडिचा मंदिर की ओर प्रस्थान किया। पुरी शहर में हर साल होने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा को दुनिया भर के लोग बहुत श्रद्धा और उत्साह से देखते हैं। इस साल यह यात्रा 27 जून यानी आज से शुरू होकर 08 जुलाई तक चलेगी। भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विशाल रथों पर सवार होकर पुरी के मुख्य मंदिर से गुंडिचा मंदिर तक जाएंगे। यह यात्रा 12 दिन तक चलती है। अपराह्न तीन बजे पुरी राजपरिवार के गजपति दिव्य सिंह देव रथ के आगे सोने के झाड़ू से बुहारा लगाकर रथ यात्रा की शुरुआत करेंगे। इसमें भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ करीब तीन किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर जाते हैं। ये उनकी मौसी का घर माना जाता है। यात्रा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है जिसमें 10,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है जिसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) आरएएफ, ड्रोन रोधी इकाइयां, स्नाइपर्स और एनएसजी कमांडो शामिल हैं। भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और राज्य समुद्री पुलिस तटरेखा पर गश्त करेगी, जबकि 275 एआई-संचालित सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन जैमर बडाडांडा और आसपास के क्षेत्रों में लगाए गए हैं, जिन्हें एक केंद्रीय कमांड सिस्टम में एकीकृत किया गया है। अधिकारियों ने भक्तों की भारी भीड़ को प्रबंधित करने के लिए 36 निर्दिष्ट पार्किंग क्षेत्र स्थापित किए हैं और बडाडांडा पर एक एम्बुलेंस कॉरिडोर बनाया है।

शरद पवार बोले- कक्षा एक से हिंदी अनिवार्य करना सही नहीं, 5वीं के बाद पढ़ाई जाए

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र में हिंदी भाषा के मुद्दे पर राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बाद शरद पवार ने भी सरकार के फैसले पर सवाल उठाए हैं। एनसीपी-शरद गुट के प्रमुख का कहना है कि पहली क्लास से हिंदी की अनिवार्यता उचित नहीं है। शरद पवार ने शुक्रवार को कोल्हापुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हिंदी भाषा विवाद को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ÷इसके दो पहलू हैं। पहली कक्षा से प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को अनिवार्य करना सही नहीं है। पांचवीं कक्षा से हिंदी सीखना छात्र के हित में है। आज देश में करीब 55 फीसदी लोग हिंदी बोलते हैं। हिंदी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पवार ने आगे कहा, महाराष्ट्र में लोग हिंदी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन अभी पहली क्लास से ही बच्चों पर

नई भाषा थोपना ठीक नहीं है। वहां मातृभाषा महत्वपूर्ण है। उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति में उठते विरोध की ओर इशारा करते हुए कहा कि दोनों ठाकरे (उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे) हिंदी की अनिवार्यता के खिलाफ हैं।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का शुभारंभ, ओडिशा के मुख्यमंत्री माझी बोले- सर्व कल्याण की प्रार्थना करता हूं

एजेंसी

नई दिल्ली । भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का शुक्रवार को शुभ दिवस है। मान्यता है कि इस विशेष अवसर पर भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ नगर भ्रमण पर निकलते हैं। यह रथयात्रा विभिन्न राज्यों में निकाली जा रही है। इसी को देखते हुए विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने रथयात्रा के शुरू होने पर बधाई दी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा, करोड़ों ओड़िसावासियों के आभूषण भगवान जगन्नाथ की पावन रथ यात्रा के अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं चतुर्धामूर्ति के चरण कमलों में राज्य के विकास एवं सभी के कल्याण एवं उन्नति की प्रार्थना करता हूं।उन्होंने आगे कहा,महाप्रभु से कामना करता हूं कि श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण यह यात्रा समस्त देशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि और आरोग्य लेकर आए। जय जगन्नाथ! उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ÷जय श्री जगन्नाथ! भगवान श्री जगन्नाथ जी की पावन रथ यात्रा के शुभारंभ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! यह मंगलमयी रथ यात्रा सभी के जीवन में सुख- शांति, समृद्धि, सेवा और सद्भाव का संचार करे, भगवान श्री जगन्नाथ जी से यही प्रार्थना है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, अखिल विश्व के नाथ महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा के शुभारंभ की सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी, भगवान बलभद्र और देवी मां सुभद्रा की कृपा से राजस्थान निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे। साथ ही समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो, यही प्रार्थना है। जय जगन्नाथ! छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जगन्नाथ यात्रा और लोक उत्सव गोंचा की बधाई देते हुए लिखा , ÷जय जगन्नाथ! बस्तर गोंचा पर्व की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। महाप्रभु जगन्नाथ से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूं।

चुनाव आयोग ने 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों को सूची से हटाया

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने ऐसे 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की पहचान कर उनको सूची से हटाने का काम शुरु कर दिया है जो पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मिलकर 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। इस दायरे में वे सभी राजनीतिक दल होंगे जो 2019 से कहीं भी सक्रिय नहीं हैं। ये सभी पंजीकृत गैर-मान्यताप्राप्त दल देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मौजूद हैं। आयोग ने कहा है कि उसके संज्ञान में आया है कि वर्तमान में आयोग के पास 2,800 से अधिक पंजीकृत गैर मान्यताप्राप्त दल हैं जो शर्तों को पूरा नहीं करते हैं लेकिन उसने देशव्यापी अभियान चलाकर अब तक 345 ऐसे दलों की पहचान की गई है जो सूची में बने रहने के पात्र नहीं हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी पार्टी अनुचित रूप से सूची से बाहर न हो जाए, संबंधित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव अधिकारियों को ऐसे दलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा गया है और ऐसे दलों को सुनवाई के लिए एक मौका दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले रोहन जेटली, पिता अरुण जेटली की स्मृतियों को किया साझा

नई दिल्ली। वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने आज अपने परिवार सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने स्व. अरुण जेटली के योगदान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सिद्धांतों एवं मूल्यों को याद किया।प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई इस आत्मीय भेंट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल के दौर और उसमें अरुण जेटली की भूमिका को याद करते हुए कहा कि वह आज भी जेटली जी के विचारों और मूल्यों से प्रेरणा लेते हैं। भेंट के बाद रोहन जेटली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावना साझा करते हुए लिखा, आज परिवार सहित माननीय प्रधानमंत्री से भेंट कर अत्यंत गौरव और सम्मान की अनुभूति हुई। उनकी आत्मीयता, सौम्यता और गहराई ने हम सभी को घर जैसा महसूस कराया। आपातकाल के दिनों की स्मृतियां, पिता जी की भूमिका, कई विचारों का आदान-प्रदान और कुछ हल्की-फुल्की बातें भी हुईं, जिनका विशेष आनंद हमारी बेटी ने उठाया! यह मुलाकात केवल एक शिष्टाचार भेंट नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र और राजनीतिक मूल्यों की विरासत को याद करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी बनी। प्रधानमंत्री और जेटली परिवार के बीच की यह संवादात्मक भेंट भारतीय राजनीति में साझा आदर्शों और पारिवारिक संबंधों की गर्मजोशी का प्रतीक कही जा सकती है।

आपातकाल लोकतंत्र की हत्या का काला अध्याय, जिसे हर पीढ़ी को पढ़ना चाहिए - भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय करार देते हुए कहा कि हर युवा को इस इतिहास के बारे में जानना जरूरी है, ताकि भविष्य में लोकतंत्र कभी बंधक न बने। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए आर्थिक समृद्धि के साथ मजबूत लोकतंत्र भी जरूरी है । गढ़ी कैंट स्थित हिमालयन कल्चरल सेंटर में आयोजित प्रेस-वार्ता में केन्द्रीय मंत्री ने ये बातें कही। इस दौरान उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह दुर्भाग्यपूर्ण दिन था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से देश में आपातकाल लागू किया गया। यह लोकतंत्र पर बड़ा हमला था। यह निर्णय लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर सीधा आघात था। आज से 50 वर्ष पूर्व कांग्रेस सरकार की ओर किए गए इस दमनकारी निर्णय की स्मृति में यह दिन संविधान हत्या दिवस के रूप में याद किया जाता है। भारत के लोकतंत्र की असली आजादी मार्च 1977 को मिली।

राहुल गांधी के सवाल कुछ लोग हजम नहीं कर पा रहे : सुखदेव भगत

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि जिस अंदाज में उनके नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग से सवाल पूछ रहे हैं वो कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में मैच फिक्सिंग हुई है और सांसद गांधी ने इस मुद्दे की ओर पूरे देश का ध्यान आकर्षित कराया है। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चुनाव आयोग की भूमिका हमेशा से ही संदेह के घेरे में रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी इस मुद्दे को हमेशा उठाते रहे हैं। उन्होंने इस मामले पर लेख लिखकर पूरे देश का ध्यान आकृष्ट कराया था।कांग्रेस नेता ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मैच फिक्सिंग हुई है, जिसमें चुनाव आयोग की भी भूमिका रही है, और इसी मुद्दे को हमारे पार्टी के नेता राहुल गांधी उठा रहे हैं, जिसे कुछ लोग हजम नहीं कर पा रहे हैं। खैर, हम इस मुद्दे को लगातार उठाते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कांवड़ सेवा समितियों के साथ की बैठक, बोलीं- सबसे यादगार होगा कांवड़ आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में कांवड़ महोत्सव में शिव भक्तों के लिए पंडाल, भंडारा इत्यादि का प्रबंध करने वाली कांवड़ सेवा समितियों के साथ संवाद बैठक की। इस बार दिल्ली सरकार के ई- डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर गूगल फॉर्म के जरिये कांवड़ समितियों का पंजीकरण किया जा सकेगा। बैठक में कांवड़ सेवा आयोजन के लिए बनी समिति के अध्यक्ष व दिल्ली सरकार के संस्कृति व पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, सदस्य व विधायक अनिल शर्मा, संजय गोयल, अजय महावर, प्रद्युमन राजपूत, अभय वर्मा आदि मौजूद रहे। इससे पहले कांवड़ सेवा समितियों ने यहां मुख्यमंत्री का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने कांवड़ सेवा में समर्पित सभी शिव भक्तों और समितियों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली हर वर्ष कांवड़

यात्रियों की सेवा में समर्पित रहती है और इस बार दिल्ली सरकार पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ इसे भव्य बनाने के लिए जुट गई है। उन्होंने कहा कि यह हमारी सरकार का पहला कांवड़ आयोजन है और सरकार का संकल्प है कि यह अब तक का सबसे यादगार, सुविधाजनक और व्यवस्थित अनुभव हो। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने सफाई, शौचालय, सुरक्षा, बिजली, लाइटिंग, मेडिकल सुविधाएं की प्रक्रिया को पहले से बेहतर बनाया है। अब केवल 72 घंटों में अनुमति देने की व्यवस्था की गई है। साथ ही सभी कैम्पों के लिए 1200 यूनिट तक फ्री बिजली की सुविधा देने का भी निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त कांवड़ महोत्सव के समापन के बाद सभी लंबित भुगतान तीन माह के भीतर करने की बात भी कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के सभी बार्डरों पर खुद सरकार के मंत्री, विधायक आदि शिव भक्तों का स्वागत पुष्पवर्षा से करेंगे। हर एंट्री पॉइंट पर सुरक्षित कॉरिडोर, सफाई, प्रकाश व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही छोटी से छोटी संस्था को भी बराबरी का सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार शिव भक्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। पहली बार कांवड़ यात्रा को प्रशासनिक स्तर पर इतनी भव्यता के साथ आयोजित किए जाने की तैयारी है।

चुनाव आयोग से मुलाकात से पहले कांग्रेस की शर्त- वीडियो फुटेज और डिजिटल मतदाता सूची की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अपनी दो मांगों को फिर दोहराया है। इसमें डिजिटल मतदाता सूची और चुनाव की वीडियो फुटेज शामिल है। साथ ही कहा है कि दोनों मांगों के पूरा होने के बाद पार्टी आयोग से मिलने को भी राजी है और इसमें पार्टी अपना विशलेषण भी आयोग के समक्ष रखेगी। कांग्रेस की ओर से बनाए गए विशेष समूह (ईगल-नेताओं और विशेषज्ञों का सशक्त कार्य समूह) ने आयोग को पत्र लिख कर कहा है कि उसे महाराष्ट्र के लोकसभा और विधानसभा चुनावों की अंतिम मतदाता सूची की मशीन रिडेबल डिजिटल कॉपी और महाराष्ट्र तथा हरियाणा के मतदान दिवस की वीडियो फुटेज चाहिए। पत्र में कहा गया है कि पार्टी की यह लम्बे समय से चली आ रही मांग है और चुनाव आयोग इसे आसानी से पूरा कर सकता है। पार्टी का कहना है कि इसे प्राप्त करने के बाद पार्टी नेतृत्व चुनाव आयोग से मिलने को तैयार है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग लगातार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर मिलने के लिए आमंत्रित कर रहा है। इस संबंध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र भी लिखा गया है।वहीं, कांग्रेस की मांगों पर आयोग का कहना है कि नियमों के तहत मतदाता सूची अपडेट होती है और इसे सभी राजनीतिक दलों को आपत्तियां देने के लिए समय से उपलब्ध भी कराई जाती हैं।

साइबर अपराधियों पर सीबीआई का शिकंजा, 5 राज्यों में छापेमारी, 9 गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराधों और डिजिटल अरेस्ट स्कैम्स पर शिकंजा कसते हुए एक बड़ी कार्रवाई की। ऑपरेशन चक्र-5 के तहत सीबीआई ने पांच राज्यों (राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश) में 42 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

यह कार्रवाई उन म्यूल बैंक खातों के खिलाफ की गई, जो संगठित साइबर अपराधियों द्वारा यूपीआई धोखाधड़ी, फर्जी विज्ञापनों, निवेश धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट स्कैम्स में प्रयोग किए जा रहे थे। सीबीआई की शुरुआती जांच में यह खुलासा हुआ कि देशभर की 700 से अधिक बैंक शाखाओं में लगभग 8.5 लाख म्यूल अकाउंट्स खोले गए थे। ये खाते या तो फर्जी केवाईसी के आधार पर खोले गए या फिर ग्राहक सत्यापन और जोखिम मूल्यांकन की प्रक्रियाएं पूरी तरह से नजरअंदाज की गईं। इसके बाद, बैंक प्रबंधकों ने संदिग्ध लेनदेन पर कोई गंभीरता नहीं दिखाई और कई मामलों में खाताधारकों को पहचान पत्र या

धन्यवाद पत्र तक नहीं भेजे गए, जो नियमों का उल्लंघन है। सीबीआई की मानें तो इस पूरे घोटाले में कुछ बैंक अधिकारियों, एजेंटों, बैंक कॉरेस्पॉन्डेंट्स, ई-मित्रों और बिचौलियों की मिलीभगत पाई गई है। ये लोग म्यूल खातों को खोलने और साइबर फ्रॉड की रकम को ठिकाने लगाने में अहम भूमिका निभा रहे थे। सीबीआई ने इस मामले में 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एजेंट, मिडिल मैन, खाता धारक, एग्रीगेटर और बैंक कर्मी शामिल हैं। इसके अलावा, जांच एजेंसी ने मोबाइल फोन, खाता खोलने से जुड़े दस्तावेज, लेन-देन विवरण, केवाईसी दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य भी जब्त किए हैं। इस पूरे मामले में सीबीआई ने आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी और जाली दस्तावेज के प्रयोग जैसे गंभीर अपराधों के तहत एफआईआर दर्ज की है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत बैंक अधिकारियों के खिलाफ भी मामले दर्ज किए गए हैं। सीबीआई ने अपने प्रेस बयान में कहा कि यह कार्रवाई भारत सरकार के साइबर अपराधों के विरुद्ध सख्त रुख और ऐसे अपराधों के जड़ों को खत्म करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है और जांच अब भी जारी है।

'ऑपरेशन सिंधु' के तहत ईरान-इजराइल संघर्ष से करीब चार हजार भारतीय सुरक्षित निकाले गए

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान और इजराइल के बीच जारी तनावपूर्ण हालात के बीच भारत सरकार ने वहां फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए 'ऑपरेशन सिंधु' चलाया। इस अभियान के तहत अब तक 4,000 से अधिक भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाया जा चुका है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जानकारी दी कि यह ऑपरेशन 18 जून को शुरू किया गया था।

जायसवाल ने बताया कि ईरान में करीब 10,000 और इजराइल में लगभग 40,000 भारतीय नागरिक मौजूद थे। इनमें से ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से अब तक 3,426 भारतीय नागरिकों के साथ 11 ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) कार्डधारकों को निकाला गया है। इनके अलावा नेपाल के नौ नागरिक, कुछ श्रीलंकाई नागरिक और एक ईरानी नागरिक, जो एक भारतीय का जीवनसाथी है, को भी

सुरक्षित निकाला गया। उन्होंने बताया कि कुल 14 उड़ानें ईरान, आर्मेनिया और तुर्कमेनिस्तान से संचालित की गई, जिनमें से अंतिम उड़ान आर्मेनिया से थी। वहीं इजराइल से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए चार विशेष उड़ानों का संचालन किया गया, जिनमें जॉर्डन और मिस्र के रास्ते कुल 818 भारतीय नागरिकों को वापस लाया गया। जायसवाल ने ऑपरेशन की सफलता के लिए ईरानी सरकार का विशेष आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने भारत के अनुरोध पर अपना हवाई क्षेत्र खोलकर इस मानवीय प्रयास को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान के ब्लैक बॉक्स की जांच जारी:मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली।नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया हादसे के बाद मिले ब्लैक बॉक्स की जांच से जुड़ी जानकारी साझा की है। मंत्रालय ने बताया है कि 24 जून को फ्रंट ब्लैक बॉक्स से क्रैश प्रोटेक्शन मॉड्यूल (सीपीएम) को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया, 25 जून को मेमोरी मॉड्यूल को सफलतापूर्वक एक्सेस किया गया और इसका डेटा एएआईबी लैब में डाउनलोड किया गया। सीवीआर और एफडीआर डेटा का विश्लेषण जारी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-171 के ब्लैक बॉक्स डेटा का विश्लेषण अभी चल रहा है। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) दोनों को बरामद कर लिया गया था, उन्हें दिल्ली ले जाया गया है और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी)

प्रयोगशाला में डेटा विश्लेषण जारी है। मंत्रालय ने कहा कि टीम का नेतृत्व एएआईबी के महानिदेशक कर रहे हैं। इसमें यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के प्रतिनिधि, एक विमानन चिकित्सा विशेषज्ञ और एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) अधिकारी शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक भारत, आईसीएओ शिकागो कन्वेंशन (1944) का हस्ताक्षरकर्ता होने के नाते आईसीएओ अनुलग्नक 13 और विमान (दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच) नियम, 2017 के अनुरूप जांच कर रहा है। एएआईबी ऐसी जांच के लिए नामित प्राधिकारी है और उसने दुर्घटना के एक दिन बाद 13 जून, 2025 को एक बहु-विषयक टीम का गठन किया था।

ब्लैक बॉक्स की रिकवरी और ट्रांसफर:मंत्रालय के अनुसार हैंडलिंग कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) दोनों अहमदाबाद में दुर्घटना स्थल से बरामद किए गए थे। इसमें एक 13 जून को इमारत की छत से और दूसरा 16 जून को मलबे से बरामद हुआ था। दोनों उपकरणों को पुलिस सुरक्षा और सीसीटीवी निगरानी सहित सख्त प्रोटोकॉल के तहत संभाला गया। इसके बाद 24 जून को ब्लैक बॉक्स भारतीय वायु सेना के विमान के जरिए अहमदाबाद से दिल्ली ले जाया गया। इस विमान के सामने का ब्लैक बॉक्स दोपहर 2:00 बजे एएआईबी के महानिदेशक के साथ एएआईबी लैब पहुंचा, जबकि पिछला ब्लैक बॉक्स एएआईबी की दूसरी टीम द्वारा शाम 5:15 बजे पहुंचाया गया। उस शाम, एएआईबी और एनटीएसबी तकनीकी सदस्यों वाली टीम ने डेटा निष्कर्षण शुरू किया।

नीट परीक्षा में धांधली की व्यापक स्तर पर हो जांच : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा-नीट में हो रही कथित धांधली को लेकर राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनटीए) पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया और कहा कि जिस एनटीए को इस परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है वह भ्रष्टाचारी एजेंसी बन गयी है और युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश की एनटीए 'राष्ट्रीय भ्रष्टाचार एजेंसी' बन चुकी है। नीट परीक्षा होती है तो भ्रष्टाचार से जुड़ी नयी-नयी चीजें सामने आती हैं। एनटीए जो भी परीक्षा कराती है, उसका डेटा लीक हो जाता है। एनटीए अविश्वनीय बन चुकी है और यह परीक्षा एजेंसी किसी भी परीक्षा को पारदर्शी तरीके से आयोजित नहीं कर पा रही है इसलिए इसके अधिकारियों की जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि एनटीए के जरिए हो रही नीट परीक्षा के आयोजन में भ्रष्टाचार अत्यंत गंभीर तरीके से सामने आ रहा है। केन्द्रीय जांच ब्यूरों (सीबीआई) ने महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसमें कुछ लोग गिरफ्तार हुए हैं और इसमें गंभीर बात यह है कि प्राथमिकी में पैसा लेकर ओएमआर शीट बदलने की बात सामने आई है। नीट परीक्षा के माध्यम से बच्चे डॉक्टर बनते हैं जो देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होती है। इस प्राथमिकी के बाद एनटीए फिर शक के घेरे में है, लेकिन उसके खिलाफ अब तक कोई बड़ी जांच नहीं बिठाई गयी है।

भारतीय नौसेना की मेजबानी में हुई समुद्री सुरक्षा पर आईओएनएस कार्य समूह की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। समुद्री सुरक्षा पर भारतीय महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) कार्य समूह की बैठक नई दिल्ली में भारतीय नौसेना ?की मेजबानी में हुई।? इसमें आईओएनएस? के 13 सदस्य देशों ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, फ्रांस, भारत, केन्या, मोजाम्बिक, ओमान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, तंजानिया और थाईलैंड के प्रतिनिधि शामिल हुए।

सहायक नौसेना प्रमुख (विदेशी सहयोग एवं खुफिया) रियर एडमिरल निर्भय बापना ने अपने मुख्य संबोधन में हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में क्षेत्रीय समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई और समकालीन समुद्री सुरक्षा चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए बहुपक्षीय तंत्र की बढ़ती आवश्यकता पर बल दिया।दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से व्यापक विचार-विमर्श किया। इस दौरान सूचना-

साझाकरण ढांचों को बढ़ाने, समुद्री डोमेन जागरुकता को आगे बढ़ाने और उभरते खतरों को कम करने के लिए सहयोगी दृष्टिकोण अपनाने पर केंद्रित चर्चाएं हुईं। कार्य समूह ने समन्वित और समय पर क्षेत्रीय प्रतिक्रियाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए सामंजस्यपूर्ण परिचालन दिशा-निर्देशों और व्यावहारिक उपायों के निर्माण पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक के परिणामों से सदस्य नौसेनाओं के सुरक्षित हिंद महासागर क्षेत्र को बनाए रखने के सामूहिक संकल्प को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

भारत-कनाडा में उच्चायुक्तों की बहाली पर दोनों देशों में सहमति : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच हाल के महीनों में उत्पन्न कूटनीतिक तनाव कम करने की दिशा में सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि दोनों देश अपने-अपने उच्चायुक्तों की बहाली को लेकर सहमत हैं और इस पर काम जारी है। विदेश मंत्रालय की आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कनाडा में भारत के उच्चायुक्त की बहाली को लेकर पूछे गए सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत-कनाडा संबंधों में स्थिरता लाने के प्रयास जारी हैं और उच्चायुक्तों की वापसी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने बताया कि जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान कनाडा के अल्बर्टा स्थित कनानास्किस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की पिछली मुलाकात हुई थी। उस बैठक के बाद जारी संयुक्त प्रेस बयान में दोनों नेताओं ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति सम्मान और संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों पर आधारित आपसी संबंधों की पुष्टि की थी। रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच यह सहमति बनी थी कि आपसी रिश्तों में संतुलन और स्थिरता वापस लाने के लिए संतुलित व रचनात्मक कदम उठाए जाएंगे, जिसकी शुरुआत एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों की जल्द वापसी से होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्ष अब इस विशेष मुद्दे पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत-कनाडा संबंध पिछले वर्ष उस समय तनावपूर्ण हो गए थे जब कनाडा ने खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत पर सार्वजनिक रूप से आरोप लगाए थे, जिसके जवाब में भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

नीट-यूजी 2025 : सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली हाई कोर्ट से मामला स्थानांतरित करने से इनकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2025 को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने असद खत्री की गुहार ठुकराते हुए कहा कि यह याचिका सार्वजनिक हित के तथ्यों पर आधारित नहीं है और इसलिए इस विवाद का शीर्ष अदालत की बजाय उच्च न्यायालय में ही निपटारा किया जाना चाहिए।

पीठ ने याचिकाकर्ता द्वारा उठाई गई इस चिंता पर विचार करते हुए कि जुलाई के मध्य तक सीटें (मेडिकल स्नातक की) भर जाएंगी,उन्हें सुनवाई आगे बढ़ाने की अनुमति दी।

पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने मामले को 31 जुलाई के लिए सूचीबद्ध किया है।पीठ ने याचिकाकर्ता की चिंता और तात्कालिक महत्व को देखते हुए संभावित शीघ्र सुनवाई के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष इसका उल्लेख करने की याचिकाकर्ता को अनुमति दी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता सुभाष झा ने इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित याचिका को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। इस पर न्यायमूर्ति विश्वनाथन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वर्तमान याचिका? व्यक्तिगत तथ्यों पर आधारित है। इसमें किसी कानून की वैधता को चुनौती नहीं दी गई है। इसलिए यह मामला शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने योग्य नहीं है।

न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने अधिवक्ता से कहा,आपका मामला व्यक्तिगत तथ्यों पर आधारित है। हम तभी स्थानांतरण कर सकते हैं, जब विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं में कानून के एक समान प्रश्न हों।

सुप्रीम कोर्ट महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण विवाद पर जुलाई में करेगा विचार

एजेंसी

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय महाराष्ट्र में शिक्षा और रोजगार में मराठाओं को 10 फीसदी आरक्षण प्रावधान को चुनौती देने वाली याचिका पर 14 जुलाई के बाद विचार करेगा। न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने एक अधिवक्ता की संबंधित मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की गुहार पर यह अनुमति दी। पीठ ने कहा कि याचिका को फिर से खुलने वाले सप्ताह (गर्मी की छुट्टियों के बाद 14 जुलाई से शुरू होने वाले सामान्य कार्य दिवस) में सूचीबद्ध किया जाएगा। याचिका में बॉम्बे उच्च न्यायालय के उस अंतरिम आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें संबंधित मराठा आरक्षण कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था।? उच्च न्यायालय ने आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं के अंतिम फैसला आने तक 10 फीसदी आरक्षण की अनुमति दी थी। शीर्ष अदालत के समक्ष वकील ने तर्क दिया कि उच्च न्यायालय ने मराठा आरक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और इसे अंतरिम आधार पर लागू करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत के समक्ष वकील ने दलील दी, यह उद्देश्य के लिए पर्याप्त नहीं है। इस माननीय न्यायालय ने इससे पहले के विवाद में रोक लगाई, यहां तक कि उच्च न्यायालय ने रोक लगाई थी। उच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ ने 11 जून को एक आदेश पारित किया, जिसमें मराठा समुदाय को मराठा आरक्षण कानून 2024 को चुनौती देने वाली याचिकाओं के अंतिम फैसला आने तक शिक्षा और रोजगार में 10 फीसदी आरक्षण का लाभ उठाने की अनुमति दी गई है।उच्च न्यायालय ने मामले के शीघ्र निपटान करने के उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसरण में आने वाली चुनौतियों पर विचार के लिए शनिवार को विशेष बैठकें आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा। उच्च न्यायालय में दायर याचिकाओं में महाराष्ट्र राज्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों (एसईबीसी) के लिए आरक्षण अधिनियम, 2024 की वैधता को चुनौती दी गई है, जो ओबीसी श्रेणी के तहत मराठों को 10 फीसदी आरक्षण प्रदान करता है। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुनील बी. शुक्रे के नेतृत्व वाले महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (एमएसबीसीसी) की एक रिपोर्ट के आधार पर 20 फरवरी, 2024 को राज्य विधानमंडल में अधिनियम पारित किया गया था। इस रिपोर्ट में मराठा समुदाय को आरक्षण देने के औचित्य के रूप में असाधारण परिस्थितियों का हवाला दिया गया, जो राज्य में कुल आरक्षण सीमा 50 प्रतिशत से अधिक है।

संपादक की कलम से

परिसीमन : क्षेत्रीय तनाव का नया दौर?

भारत में स्वतंत्रता के बाद कई पुराने-नए विवाद उभरे, कुछ को सरकारों ने बंद बस्ते में डाल दिया। अब एक नया जटिल मुद्दा है लोकसभा सीटों का परिसीमन, जिसे 1976 के 42वें और 2002 के 84वें संविधान संशोधन के जरिए 2026 तक टाला गया। यह विवाद अब फिर से सुर्खियों में है। वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटें, 1971 की जनगणना के आधार पर तय हैं। संविधान के अनुसार, हर जनगणना के बाद सीटों का परिसीमन होना चाहिए। 1951 से 1971 तक ऐसा हुआ। आपातकाल के दौरान पारित हुए 42वां संशोधन ने 1971 की जनगणना के आधार पर आवंटित सीटों की संख्या को आगामी 25 वर्षों के लिए स्थिर कर दिया। 2002 के संशोधन ने यह मानते हुए कि देश के विभिन्न हिस्सों में परिवार नियोजन कार्यक्रमों की प्रगति के कारण किसी भी नई जनगणना पर आधारित परिसीमन करने निर्णय लिया जाना उचित नहीं होगा और यह अवधि और 25 वर्षों अर्थात 2026 तक के लिए बढ़ा दी।

इस परिप्रेक्ष्य में यह कहा जा सकता है कि 1971 से अब तक कोई नई जनगणना आधारित परिसीमन नहीं हुआ है। 2011 के बाद से कोई जनगणना नहीं हुई है, और अगर अब जनसंख्या के अनुपात में सीटों का पुनर्विन्यास किया गया, तो दक्षिणी राज्यों की सीटों में कटौती हो सकती है। दक्षिण भारत के राज्य इसी कारण से परिसीमन का विरोध कर रहे हैं। आकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में विन्ध्य पर्वत के उस पार स्थित राज्यों की जनसंख्या में वृद्धि की दर कम रही है। संविधान, लोकसभा सदस्यों की संख्या निर्धारण में समान अनुपातिता की व्यवस्था देता है लेकिन लद्दाख, गोवा और पूर्वोत्तर जैसे छोटे राज्यों में जनसंख्या की तुलना में अधिक सांसद हैं, जबकि दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में प्रतिनिधित्व कम है।

मूल प्रश्न यह है कि क्या हमें वर्तमान 543 सांसदों से अधिक सदस्यों वाली संसद की आवश्यकता है? क्या प्रत्येक राज्य में और अधिक विधायकों की जरूरत है? सांसदों की संख्या को परिसीमन के माध्यम से बढ़ाने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं कि परिसीमन लागू हो जाने के पश्चात जन प्रतिनिधित्व बेहतर होगा। एक सांसद अभी 20-25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। सीटें बढ़ने से यह अनुपात कम होगा, जिससे जनता की समस्याएं बेहतर उठेंगी। जनसंख्या के आधार पर सीटें बढ़ने से तेजी से बढ़ रही आबादी वाले राज्यों की आवाज मजबूत होगी। इससे असंतुलन कम होगा। अधिक सांसद मुद्दों पर गहन एवं विविधतापूर्ण चर्चा कर लोकतंत्र को और समृद्ध करेंगे।

यदि यह फायदे हैं तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। अधिक सांसदों का मतलब वेतन, भत्ते और सुविधाओं पर ज्यादा खर्च। अधिक सदस्यों के साथ संसद में बहस और निर्णय लेना जटिल हो सकता है, जिससे कार्यक्षमता प्रभावित होगी। जनसंख्या आधारित डिलिमिटेशन से उत्तर भारत के राज्यों को अधिक सीटें मिलेंगी,जबकि दक्षिणी राज्य अपने प्रभाव को कम होता देख सकते हैं। सीटें बढ़ने से राजनीतिक दलों को अधिक उम्मीदवार उतारने पड़ेंगे, जिससे चुनावी खर्च और प्रबंधन जटिल हो सकता है। साथ ही, छोटे दलों का प्रभाव कम हो सकता है।

परिसीमन लागू करने से पहले हमें भारत की जनसंख्या वृद्धि के भविष्य के परिदृश्य को भी ध्यान में रखना होगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, भारत की जनसंख्या 2040-50 तक 167 करोड़ के शिखर पर पहुंचेगी, फिर घटने लगेगी, क्योंकि सकल प्रजनन दर 2.1 से नीचे आ चुकी है। ऐसे में जनसंख्या आधारित परिसीमन की प्रासंगिकता कम हो रही है। इसलिए, यह आवश्यक है कि जनगणना की प्रक्रिया पूरी की जाये, लेकिन जनसंख्या के अनुपात के आधार पर सीटों के परिसीमन की प्रक्रिया को स्थगित रखा जाये।

पिछले अनुभव बताते हैं कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र में विधायिका अनेक कमियों से जूझ रही है। संसद और विधानसभाओं के सत्रों की अवधि लगातार घट रही हैं, और इनमें हंगामा, नारेबाजी या बहिष्कार जैसे व्यवधानों के कारण प्रभावी चर्चा और विधायी कार्य कम हो पाता है। प्रतिनिधियों को जटिल नीतिगत मुद्दों की पर्याप्त समझ नहीं होती, इससे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गुणवत्तापूर्ण गहन बहस नहीं हो पाती। कई निर्वाचित प्रतिनिधियों पर आपराधिक मामले लंबित रहते हैं, जो विधायिका की विश्वसनीयता और नैतिकता पर सवाल उठाते हैं।

दलीय अनुशासन से बंधे सांसद और विधायक स्वतंत्र रूप से मतदान करने में असमर्थ होते हैं। संसदीय समितियों का उपयोग विधेयकों की गहन जांच के लिए प्रभावी ढंग से नहीं हो पाता और उनके सुझावों को सरकार द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है। विधायिका में महिलाओं और कुछ अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व उनकी जनसंख्या के अनुपात में कम है, जिससे उनकी आवाज कमजोर रहती है।

कई बार विधेयकों को बिना पर्याप्त चर्चा या जनता की राय लिए जल्दबाजी में पारित कर दिया जाता है, जिससे अपर्याप्त या दोषपूर्ण कानून बनते हैं।

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

- ललित गर्ग -

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है।

यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है।

वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है।

वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं।

मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिन्दुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीय-आतंकित करना चाहते है। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। ममता अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है? ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। ताजा हिंसक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने अलोकतांत्रिक, गैर-कानूनी एवं राष्ट्र-विरोधी कार्यों को अंजाम दिया है। बंगाल में तो भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, हिंसा की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगल रहा है। ममता अपनी जातियों, ग्रुपों और वोट बैंक को मजबूत कर रही हैं-- देश को नहीं।

संघवाद की हिमायत में फैसला

- राजेंद्र शर्मा

सुप्रीम कोर्ट के फैसले में स्पष्ट शब्दों में और बलपूर्वक इस बात को कहा गया है कि राज्यपाल की भूमिका तो संविधान के रखवाले की है यानी उसका काम संघीय व्यवस्था का सुचारु रूप से काम करना सुनिश्चित करने में मदद करना है। उसकी भूमिका किसी भी तरह से राजनीतिक खिलाड़ी की नहीं है और विपक्षी राजनीतिक खिलाड़ी की तो हर्गिज-हर्गिज नहीं है।

नरेंद्र मोदी के राज में राज्यपाल के पद को जिस तरह से विपक्ष-शासित राज्यों में सत्ताधारी संघ-भाजपा जोड़ी की क्षुद्र राजनीति का हथियार बनाया गया है, उस पर यकायक किसी तरह से रोक लग जाएगी, यह मानना मुश्किल है। फिर भी तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु राज्यपाल आदि मामले में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने जो असाधारण फैसला सुनाया है, उसने मौजूदा निजाम में राज्यपालों की भूमिका के सवाल को एक बार फिर बहस के केंद्र में ला दिया है।न्यायाधीशगण जेबी पारदीवाला और आर माधवन के फैसले का महत्व सिर्फ इतना ही नहीं है कि पहली बार तमिलनाडु विधानसभा द्वारा पारित ऐसे दस विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी के बिना ही पारित करार दे दिया गया है, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के अनुसार राज्य के राज्यपाल ने अवैध तरीके से सालों से रोका हुआ था।

राज्यपाल की यह नकारात्मक सक्रियता इस हद तक पहुंच गयी थी कि 2023 में जब सुप्रीम कोर्ट ने इसी विवाद में यह फैसला दिया था कि राज्यपाल, विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक अपने पास रोक कर नहीं रख सकता है और उसके पास ऐसे किसी भी विधेयक को मंजूरी देने के सिवा दो ही विकल्प थे, या तो विधेयक को नामंजूर कर के विधानसभा को लौटा दे या फिर परामर्श के लिए राष्ट्रपति को भेज दे। उस समय राज्यपाल ने बरसों से रोक कर रखे जा रहे विधेयकों को विधानसभा के दोबारा पारित कर के भेजने के बाद, उन पर मंजूरी देने के बजाए, कथित रूप से परामर्श के नाम पर राष्ट्रपति के पाले में डाल दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस समूचे धतकर्म को अवैध करार देते हुए, संबंधित दस विधायकों को राज्य विधानसभा द्वारा उनके दोबारा पारित कर लौटाए जाने की तारीख से ही, पारित घोषित कर दिया है।

इस फैसले का असर यह भी है कि केरल की एलडीएफ सरकार ने भी ऐसे ही मामले में, अपने राज्य के राज्यपाल द्वारा लंबे अर्से से रोक कर रखे गए, विधानसभा द्वारा पारित हुए विधेयकों को, इसी प्रकार से पारित घोषित किए जाने की मांग की है। राज्यपालों की विधानसभा की कार्यवाही में रोड़े अटकाने की अनुचित हरकतों को कटघरे में खड़ा किए जाने की यह बात निकली है, तो दूर तक जाएगी। याद रहे कि उत्तर हो या दक्षिण या पूर्व, कोई भी विपक्ष-शासित राज्य नहीं है, जहां मोदी राज द्वारा बैठाए गए राज्यपालों ने इस तरह की असंवैधानिकता नहीं की है। तमिलनाडु और केरल ही नहीं, तेलंगाना, पंजाब, दिल्ली आदि की सरकारें भी, ऐसी ही शिकायतों के साथ सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर पहुंची थीं। इसे देखते हुए यह कहने में जरा भी अतिरंजना नहीं होगी कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, राज्यपालों के ऐसी असंवैधानिकता करने के लिए जिम्मेदार, केंद्र सरकार के मुंह पर एक करारा तमाचा है। लेकिन, जैसे इस मामले में मोदी राज की इसी संलिप्तता का परोक्ष साक्ष्य पेश करते हुए, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी हरकतों को गैर-कानूनी ठहराते हुए सुप्रीम भर्त्सना किए जाने के बावजूद, न सिर्फ राज्यपाल के पद से इस्तीफा देने से इंकार कर दिया है, वह तो राज्यपाल के पद की मयार्दाओं को मिट्टी में मिलाते हुए, हर रोज नये-नये विवाद खड़े करने में लगा हुआ है। ताजातरीन विवाद उसने मदुरै में एक सार्वजनिक शिक्षा संस्था के कार्यक्रम में छात्रों से जय श्रीराम के नारे लगवा कर किया है, जो एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए सरासर असंवैधानिक आचरण है।

अंबेडकर के प्रति मोदी की श्रद्धा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकताओं की तरह नरेन्द्र मोदी की जो विचारधारा विकसित हुई है, उसके तहत जिनके प्रति सर्वाधिक नफरत करना सिखाया गया है, उनमें महात्मा गांधी तथा प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ संविधान निमार्ता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर रहे हैं जिनकी सोमवार को देश भर में जयंती मनाई गई। वैसे तो पीएम होने के नाते उन्हें उन सभी राष्ट्र निमार्ताओं को उनके जीवन की महत्वपूर्ण तिथियों पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने होते हैं क्योंकि वे जिस पद पर आसीन हैं, यह शिष्टाचार उनके कर्तव्य निर्वहन के अंतर्गत होता है- फिर चाहे उन महामानवों के विचारों से उनकी पटरी बैठे या न बैठे। समझदार तो वे होते हैं जो विपरीत विचारों की शख्सियतों को माल्यार्पण आदि कर अपने उत्तरदायित्व की खानापूरी कर लेते हैं। मोदीजी ने बाबासाहेब की 135वीं जयंती पर उनके योगदान स्वरूप जो बातें कहीं, उसमें विरोधाभासों व विसंगतियों की भरमार थी-हमेशा की भांति। यह बात एक बार फिर से यह साबित हुई कि मोदी हर अवसर को विपक्ष, खासकर कांग्रेस को कोसने तथा खुद की वाहवाही करने से ज्यादा कुछ नहीं मानते, जो हास्यास्पद है, दुर्भाग्यजनक भी। प्रधानमंत्री पद की गरिमा व प्रतिष्ठा के प्रतिकूल तो है ही। वैसे यह मोदी के लिये बड़ी बात नहीं है।

सोमवार की सुबह मोदी संसद के भीतर श्रद्धांजलि का औपचारिक कार्यक्रम पूरा करने के बाद, जिसमें तमाम प्रमुख शख्सियतें मौजूद थीं, हरियाणा के हिसार पहुंच गये जहां इस अवसर पर एक भव्य आयोजन किया गया था। अपनी चिर-परिचित शैली में प्रधानमंत्री ने इस शहर के साथ अपने पुराने सम्बन्धों का जिक्र किया। उन्होंने अंबेडकर के जीवन-संघर्ष का उल्लेख करते हुए बतलाया बाबासाहेब का संदेश ही उनकी 11 वर्षीय सरकार की यात्रा का प्रेरणा-स्तंभ है। अंबेडकर के प्रति अपनी कटिबद्धता को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए पीएम ने दावा किया कि उनकी सरकार का हर दिन, हर फैसला, हर नीति डॉ. अंबेडकर को समर्पित रहा। वंचितों, पीड़ितों, शोषितों, गरीबों, आदिवासियों, महिलाओं के जीवन में बदलाव लाकर उनके सपनों को पूरा करना उन्होंने अपनी सरकार का मकसद बतलाते हुए कहा कि उनका निरंतर व तेज विकास ही भाजपा सरकार का मंत्र है। चूंकि सोमवार को ही हिसार-अयोध्या हवाई सेवा शुरू हुई, तो मोदी ने अपने उस वादे का जिक्र किया कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा। उनका दावा था कि देश में आज यह होता हुआ सब देख रहे हैं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा-जब तक बाबासाहेब जीवित थे, कांग्रेस ने उन्हें अपमानित किया। दो बार चुनाव हरवाया तथा उनकी यादें मिटाने की कोशिशें कीं। मोदी के अनुसार कांग्रेस अंबेडकर के विचारों को हमेशा के लिए खत्म कर देना चाहती थी। पीएम ने डॉ. अंबेडकर को संविधान का संरक्षक और कांग्रेस को उसका भक्षक बतलाया। कांग्रेस के प्रति अपनी भड़ास को निचले स्तर तक ले जाते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने अनुसूचित जातियों, अनु. जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों को हमेशा दोयम दर्जे का नागरिक समझा। उनके मुताबिक कांग्रेसी नेताओं के घरों में स्विमिंग पूल होते थे तथा गांवों में प्रति सैकड़ा केवल 16 घरों में ही पाइप से पानी पहुंचता था। इससे ये वर्ग ही सबसे ज्यादा प्रभावित थे।

वक्फ कानून को लेकर भी मोदी कांग्रेस पर बरसे तथा इसे कट्टरपंथियों को खुश करने का साधन बतलाया जबकि बाकी समाज बेहाल, अशिक्षित व गरीब रहा। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की कुनीति का सबसे बड़ा प्रमाण वक्फ कानून बतलाया। अपने निशाने पर उन्होंने कर्नाटक सरकार को भी लिया व आरोप लगाया कि उसने अनु. जाति-जनजाति और ओबीसी के अधिकार छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण दिया।

नये वक्फ कानून को उन्होंने गरीब और पसमांदा मुस्लिमों, महिलाओं, खासकर विधवाओं, बच्चों आदि के लिये लाभप्रद बताया। इसे ही पीएम ने असली सामाजिक न्याय बतलाया। वैसे उनका कांग्रेस से सवाल करना कहीं अधिक मजेदार है कि पार्टी का अध्यक्ष मुस्लिम क्यों नहीं है? यदि अध्यक्ष ही हितैषी होने का पैमाना है तो मानना होगा कि कांग्रेस दलित हितैषी तो है क्योंकि मल्लिकार्जुन खरगे दलित हैं। भाजपा को अपना अध्यक्ष किसी मुस्लिम को बनाकर बतलाना चाहिये कि वह मुस्लिमों की हितैषी है।

जो भी व्यक्ति मोदी के शासनकाल को ध्यान से देख रहा है वह जानता है कि मोदी की उपरोक्त बातों में कितनी सच्चाई है। हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज की सुविधा पहले ही अन्य जुमलों की तरह एक सुपर फ्लॉप वादा साबित हो चुका है क्योंकि इन दिनों हवाई यात्रा करना उच्च मध्यवर्गीय लोगों के लिये भी सम्भव नहीं रह गया है। वक्फ पर नए कानून का देश भर में होता विरोध बतला रहा है कि मुस्लिम उसे अपने हित में कतई नहीं मान रहे हैं। वे यह भी देख रहे हैं कि केन्द्र सरकार या उसके किसी भी राज्य की सरकार में एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं है। बहरहाल, मुख्य मुद्दे पर आयें तो यह ऐतिहासिक सच्चाई है कि अंबेडकर को यदि गांधी और नेहरू का समर्थन न होता तो वे कानून मंत्री नहीं बनाये जाते। उनके बनाये संविधान के मसौदे को संविधान सभा तथा संसद में स्वीकृत कराने में नेहरू का प्रमुख योगदान था जबकि आरएसएस व हिन्दू महासभा ने इसका विरोध किया था।

मोदी का अंबेडकर तथा संविधान के प्रति प्रेम दरअसल 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों के चलते उमड़ा है। भाजपा और उसके नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस का क्रमशः 370 व 400 सीटों का लक्ष्य इसलिये अधूरा रह गया क्योंकि जनता को संकेत मिल गये थे कि भाजपा संविधान को बदलने के लिये पूर्ण बहुमत के लायक सीटें चाहती है। इसलिये भाजपा 303 से 240 पर उतर आई और दो दलों (जनता दल यूनाइटेड व तेलुगु देसम पार्टी) की बैसाखियों पर खड़ी है। मोदी व भाजपा को अंबेडकर और संविधान की ताकत का पता चल चुका है। लगता है कि कांग्रेस का जय बापू जय भीम जय संविधान का नारा भी असर करता दिखाई दे रहा है।

डायबिटीज होने के बाद आंखों में दिख रहे हैं ये लक्षण तो न करें नजरअंदाज, इस बीमारी का है खतरा

डायबिटीज होने के बाद शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं. इसके साथ ही कई अंगों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. डायबिटीज के कारण किडनी और दिल पर भी प्रभाव पड़ता है. डायबिटीज का असर आंखों पर भी पड़ता है. यदि डायबिटीज होने के बाद कुछ लक्षण महसूस हों तो उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. क्योंकि शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज करने से आप आंखों की रोशनी हमेशा के लिए खो सकते हैं. इसके लक्षण, के बारे क्या कहते हैं एक्सपर्ट आइए जानते हैं.

डायबिटीज एक गंभीर समस्या है. शुरू में काफी समय तक तो डायबिटीज के लक्षण भी महसूस नहीं होते. जब इसका पता चलता है तब तक डायबिटीज शरीर के कई अंगों को नुकसान पहुंचा चुकी होती है. इसलिए 25 साल की आयु के बाद डायबिटीज का टेस्ट करवाते रहना चाहिए. शरीर में जब शुगर का स्तर काफी बढ़ जाता है तो आंखों में भी उसके लक्षण दिखने लगते हैं. शुरूआती लक्षणों में धुंधला दिखना शामिल है. इसी समय यदि इसकी रोकथाम और उपचार न किया जाए तो आंखों की रोशनी लगातार कम होती जाती है. इसके साथ ही आंखों में गंभीर बीमारी हो सकती है, जिससे आंखों से दिखना पूरी तरह से बंद हो सकता है.

क्या हैं लक्षण

डायबिटीज होने के बाद आंखों में सबसे गंभीर बीमारी ग्लूकोमा होने का खतरा बना रहता है. इस बीमारी की रोकथाम जरूरी है. ग्लूकोमा से खराब हुई आंखों का उपचार संभव नहीं है. इसके अलावा डायबिटीज के कारण आंखों में मोतियाबिंद भी हो सकता है. डायबिटीज आंखों की छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती है. जिससे शुरू में धुंधला दिखना शुरू होता है. इसके अलावा आंखों में सूजन और जलन भी हो सकती है. आंखों से पानी निकलने की समस्या भी इसके लक्षण हैं. डायबिटीज के कारण ग्लूकोमा और मोतियाबिंद से बचने के लिए आंखों में किसी तरह का लक्षण उभरने पर देर नहीं करनी चाहिए तुरंत डॉक्टर से मिलकर उपचार शुरू करवाना चाहिए. इसके साथ ही अपनी दिनचर्या और खान पान में बदलाव से शुगर लेवल को नियंत्रित रखने का प्रयास करना चाहिए. शुगर का लेवल नियंत्रित रहना बहुत जरूरी होता ह

ईरान ने आईएईए से सहयोग निलंबित करने के विधेयक को दी मंजूरी, गार्जियन काउंसिल की मुहर

एजेंसी

तेहरान। ईरान की संवैधानिक संस्था गार्जियन काउंसिल ने देश की संसद द्वारा पारित उस विधेयक को मंजूरी दे दी है जिसमें संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी(आईएईए) से ईरान का सहयोग निलंबित करने का प्रस्ताव रखा गया था। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब हाल ही में ईरान-इजराइल संघर्ष के दौरान ईरान की परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमला हुआ है। यह विधेयक 25 जून को संसद में 221-0 के बहुमत से पारित हुआ था। हालांकि, अंतिम निर्णय अब उच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) द्वारा लिया जाएगा, जिसका तकनीकी नेतृत्व राष्ट्रपति के पास होता है, परंतु यह परिषद सीधे सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को उत्तरदायी होती है। गार्जियन काउंसिल के प्रवक्ता हादी ताहन नजीफ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी देते हुए कहा, आईएईए से सहयोग निलंबित करने की योजना को इस्लामी कानून और संविधान के विरुद्ध नहीं पाया गया।

एससीओ बैठक में नेपाल का ऐलान- जल्द ही चीन तक ट्रांसमिशन लाइन का होगा निर्माण

काठमांडू। नेपाल के ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में चीन के साथ मिल कर जल्द ही अंतर्देशीय प्रसारण लाइन के निर्माण की बात कही है। नेपाल के ऊर्जा मंत्री खड़का ने कहा कि जिस तरह से नेपाल और भारत के बीच बिजली आयात निर्यात के लिए अंतर्देशीय ट्रांसमिशन लाइन बनाई गई है, उसी तरह अब सरकार के आर्थिक अनुदान से नेपाल के चिल्लिमे से चीन के केरूँग तक 220 केवी का प्रसारण लाइन का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ 132 केवी और 400 केवी का ट्रांसमिशन लाइन के जरिये बिजली का आयात निर्यात किया जा रहा है। इसी तर्ज पर अब चीन के साथ भी ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण करके नेपाल से बिजली का आयात-निर्यात किया जा सकेगा। नेपाल के ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सन 2035 तक हमने 28,500 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जिसमें 25 हजार मेगावाट बिजली का निर्यात किया जा सकता है। उन्होंने दावा किया कि भारत की तरह चीन को भी बिजली की सप्लाई करने में नेपाल सक्षम हो जाएगा।

बांग्लादेश के तीन पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों के खिलाफ केस में देशद्रोह का आरोप जोड़ा गया

ढाका। बांग्लादेश के तीन पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों काजी रकीबुद्दीन अहमद, केएम नूरुल हुदा और काजी हबीबुल अवाल समेत 10 पूर्व चुनाव आयुक्त और 11 अन्य के खिलाफ दर्ज केस में देशद्रोह समेत तीन नए आरोप जोड़े गए हैं। इन पर 2014, 2018 और 2024 के राष्ट्रीय चुनाव के दौरान अनियमितता और पूर्वाग्रह में कथित संलिप्तता का आरोप लगाया गया है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद मिनहाजुर रहमान ने जांचकर्ताओं के आवेदन पर पूर्व में दर्ज केस में कल सुनवाई के दौरान नए आरोप जोड़ने की अनुमति प्रदान की। अब इन सभी को दंड संहिता की धारा 124ए (देशद्रोह), 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति हड़पने के लिए प्रेरित करना) और 406 (आपराधिक विश्वासघात) जैसे संगीन आरोपों का सामना करना पड़ेगा। पुलिस के अनुसार, 22 जून को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शेर-ए-बांग्ला नगर पुलिस स्टेशन में तीन मुख्य चुनाव आयुक्तों और पूर्व 10 चुनाव आयुक्तों तथा 11 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इस केस में नूरुल हुदा और हबीबुल अवल को ढाका में गिरफ्तार किया जा चुका है।इस केस में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान का भी नाम भी शामिल है। अन्य आरोपितों में पूर्व पुलिस महानिरीक्षक हसन महमूद खांडकर, जावेद पटवारी और शाहिदुल हक, पूर्व डीएमपी आयुक्त बेनजीर अहमद, पूर्व विशेष शाखा प्रमुख मोनिरुल इस्लाम और राष्ट्रीय सुरक्षा खुफिया और बल खुफिया महानिदेशालय के पूर्व प्रमुख शामिल हैं।

कोलंबिया भूस्खलन में मृतकों संख्या बढ़कर 14 हुई

बोगोटा। उत्तर-पश्चिमी कोलंबिया में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गयी है तथा अन्य 12 अभी भी लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि भूस्खलन की चपेट में आने से कई लोग घायल हो गये हैं और करीब एक हज़ार लोग बेघर हो गये हैं। मेयर लोरेना गोंजालेज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राहत और बचाव दल बेलो शहर के प्रभावित एल पिनार इलाके में चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं, ताकि जीवित बचे हुए लोगों की तलाश की जा सके। श्री गोंजालेज ने कहा, 'बचाव ऑपरेशन जारी है। हमें उम्मीद है कि मलबे में दबे लोग जीवित मिलेंगे।' उन्होंने लोगों से उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में घरों को खाली करने का आग्रह किया। एंटिओक्विया विभाग के आपदा और जोखिम प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख कार्लोस रियोस ने चेतावनी दी कि लगातार भारी बारिश के कारण भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'यह बात ध्यान देने योग्य है कि अभी बारिश रुकने वाली नहीं है।'

एक्सिओम-4 मिशन अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से सफलतापूर्वक जुड़ा, रच गया इतिहास

एजेंसी

फ्लोरिडा। भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। शुभांशु शुक्ला, भारतीय मूल के एस्ट्रोनॉट, 28 घंटे लंबे रोमांचक सफर के बाद इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) पर पहुंच गए हैं। वे ISS पर कदम रखने वाले पहले भारतीय हैं और अंतरिक्ष में पहुंचने वाले राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय नागरिक।

एक सपना, जो अंतरिक्ष तक पहुंचा

शुभांशु 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे 'एक्सियम मिशन 4' के तहत स्पेसक्राफ्ट से रवाना हुए थे। मिशन की लॉन्चिंग को मौसम और तकनीकी कारणों से छह बार टाला गया, लेकिन हौसले अडिग रहे। अंततः 26 जून की शाम 4 बजे वह ऐतिहासिक क्षण आया, जब शुभांशु और उनकी टीम अंतरिक्ष की सीमा पार करते हुए ड्रैगन से जुड़े।

अंतरिक्ष से शुभांशु का पहला संदेश

'नमस्कार फ्रॉम स्पेस!' अंतरिक्ष से शुभांशु का पहला संदेश दिल छू लेने वाला था। उन्होंने कहा - 'नमस्कार फ्रॉम स्पेस! मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यहां होने के लिए बेहद एक्साइटेड हूं।' उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा -जब हमें वैक्यूम में लॉन्च किया गया, तब मैं बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहा था। लेकिन अब मैं काफी सो चुका हूं और खुद को नई दुनिया में एक बच्चे की तरह महसूस कर रहा हूं... सीख रहा हूं कि यहां खाना और चलना कैसे है।

14 दिन, विज्ञान के नाम

शुभांशु अब 14 दिनों तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रहेंगे। इस दौरान वे सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण की स्थितियों में वैज्ञानिक प्रयोग और अनुसंधान करेंगे। यह रिसर्च भारत और पूरी मानवता के लिए भविष्य की स्पेस टेक्नोलॉजी, मेडिसिन और एनवायरमेंट स्टडीज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

भारत के लिए गर्व का पल

भारतीयों के लिए यह पल गर्व से भरा है। शुभांशु की यह उपलब्धि सिर्फ एक अंतरिक्ष यात्रा नहीं, बल्कि भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास और वैश्विक अंतरिक्ष अनुसंधान में सक्रिय भागीदारी का प्रमाण है।

पाकिस्तान में बर्फ की झील के फटने की चेतावनी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने देश के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में बढ़ते तापमान के कारण बर्फ की झील (जीएलओएफ) के फटने के खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया है। जारी चेतावनी में तेजी से बढ़ते तापमान और पश्चिमी मौसम प्रणाली के प्रभाव का हवाला दिया गया है।

एनडीएमए ने कहा कि प्रमुख घाटियों में ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से बर्फ की झीलों के फटने का खतरा बढ़ गया है जिससे अचानक बाढ़ आ सकती है और सड़कों और पुलों सहित बुनियादी ढांचे को नुकसान हो सकता है

प्राधिकरण ने निवासियों और यात्रियों से अत्यधिक सावधानी बरतने,नदी के किनारों और ग्लेशियल क्षेत्रों से बचने और बाढ़ के पानी को पार करने से परहेज करने का आग्रह किया। स्थानीय समुदायों को जिला प्रशासन द्वारा जारी निकासी निर्देशों और अन्य दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन करने की भी सलाह दी गई है। पाकिस्तान जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों में से एक है, जिसके उत्तरी क्षेत्रों में 7,000 से अधिक ग्लेशियर हैं। हाल के वर्षों में जीएलओएफ घटनाओं में वृद्धि हुई है।

कनाडाई मेयर की मांग, 'लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को आतंकी संगठन घोषित करे सरकार'

एजेंसी

टोरंटो। कनाडा के सरे शहर की मेयर ब्रेंडा लॉक ने संघीय सरकार से अपील की है कि वह लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को आतंकी संगठन घोषित करे। उन्होंने उन सभी आपराधिक गिरोहों को भी आतंकवादी संगठन घोषित करने की मांग की है, जो दक्षिण एशियाई मूल के कनाडाई नागरिकों को निशाना बनाकर जबरन वसूली और हिंसा में शामिल हैं।

कनाडाई मीडिया के अनुसार, मेयर ब्रेंडा लॉक ने कहा कि बिश्नोई गिरोह को आतंकी संगठन घोषित करने से कानून प्रवर्तन एजेंसियों को संगठित अपराध के नेटवर्क से लड़ने और स्थानीय नागरिकों व व्यवसायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।लॉक ने हाल के महीनों में बिश्नोई गिरोह द्वारा कथित तौर पर कराई गई हत्याओं, जबरन वसूली और गोलीबारी की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि ये केवल आपराधिक घटनाएं नहीं हैं, बल्कि आर्थिक आतंकवाद के दायरे में आती हैं।गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब कनाडाई प्रशासन की ओर से बिश्नोई गिरोह को आतंकी संगठन घोषित करने की मांग उठी है। कुछ दिन पहले ब्रैम्पटन शहर के मेयर पैट्रिक ब्राउन, डिप्टी मेयर हरकीरत सिंह और कई अन्य काउंसिलर्स ने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और पब्लिक सेफ्टी मंत्री को पत्र लिखकर इसी तरह की मांग की थी। लॉरेंस बिश्नोई एक कुख्यात गैंगस्टर है और फिलहाल अहमदाबाद की साबरमती सेंट्रल जेल में बंद है। जेल में रहते हुए भी वह अपने गिरोह के जरिए कई अपराधों को अंजाम देता रहा है। कनाडाई सरकार का आरोप है कि बिश्नोई गिरोह ने कनाडा में गैंग वॉर, जबरन वसूली और अन्य आपराधिक गतिविधियों को हवा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बिश्नोई का प्रमुख साथी गोल्डी बराड़ अब उससे नाराज है और दोनों के बीच दूरी आ गई है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।बराड़ ने सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद अपराध जगत में कुख्याति पाई थी। पिछले साल उसने कथित रूप से पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के कनाडा स्थित घर पर भी फायरिंग कराई थी।

चीन अमेरिका के साथ सह-अस्तित्व का सही रास्ता तलाश लेगा- चीनी विदेश मंत्री

एजेंसी

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि उनके देश को उम्मीद है कि चीन और अमेरिका जैसी दो प्रमुख शक्तियां सह-अस्तित्व के लिये सही रास्ता खोज लेंगी। श्री यी ने बुधवार को हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ग्राहम एलिसन के साथ बीजिंग में हुई मुलाकात के दौरान यह बात कही। बैठक के दौरान चीन के विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई कि अमेरिकी पक्ष चीन के साथ आपसी मान्यता के बुनियादी मुद्दे को हल करने के लिए काम करेगा जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 'तीन सिद्धांतों' के आधार पर सामंजस्यपूर्ण संबंध स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। श्री यी ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आपसी सम्मान, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और दोनों पक्षों के लिए बेहतर सहयोग के तीन सिद्धांत दिये हैं वही अमेरिकी मसलों से निपटने के उनके देश के 'मौलिक सिद्धांत' हैं।

गौरतलब है कि यह वार्ता दोनों देशों के बीच व्यापार तनाव के बीच

हुई है। इस साल दो अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए जिसने विभिन्न देशों से आयात पर दो-तरफा शुल्क लागू किया। इसके बाद नौ अप्रैल को श्री ट्रम्प ने घोषणा की कि चीन को छोड़कर उन 75 से अधिक देशों पर 90 दिनों पर 10फीसदी का 'बेसलाइन टैरिफ' लगाया जाएगा जिन्होंने जवाबी कार्रवाई नहीं की थी और बातचीत का अनुरोध किया था।

इस दौरान दोनो देशों के बीच ÷पारस्परिक÷ टैरिफ घटाकर 10त किया जाना था। परिणामस्वरूप बीजिंग अमेरिकी आयात पर 10त टैरिफ लगाएगा जबकि वाशिंगटन चीनी उत्पादों पर 30फीसदी टैरिफ लगाएगा क्योंकि इस दौरान 20फीसदी'फेंटेनल' टैरिफ प्रभावी रहेगा। इस बीच 10-11 मई को चीन और अमेरिका ने जिनेवा में उच्च स्तरीय व्यापार और आर्थिक वार्ता की। वार्ता का समन्वय चीनी पक्ष की ओर से चीन के उप प्रधान मंत्री हे लीफेंग और अमेरिकी पक्ष की ओर से वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने किया। वार्ता के बाद दोनो पक्षों ने कहा कि वे व्यापार शुल्क कम करने के लिए एक प्रारंभिक सौदे पर सहमत हुए हैं जो 14 मई को 90 दिनों के लिए प्रभावी हुआ।

राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री से मुलाकात की, कहा- दोनों पक्षों को सकारात्मक गति बनाए रखनी चाहिए

एजेंसी

किंगदाओ । शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट के दौरान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री डॉन की मुलाकात हुई। राजनाथ सिंह ने खुद इसकी जानकारी दी। बैठक के बारे में जानकारी साझा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। रक्षा मंत्री ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने पर खुशी जताई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ बातचीत की। हमने द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। लगभग 6 साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। दोनों पक्षों के लिए ये जरूरी है कि वो इस सकारात्मक गति को बनाए रखें और द्विपक्षीय संबंधों में नई जटिलताओं को जोड़ने से बचें।राजनाथ सिंह एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए चीन पहुंचे। उनके आगमन पर एडमिरल डॉन जून ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सिंह, डॉन जून और अन्य नेताओं ने रक्षा मंत्रियों की बैठक से पहले एक ग्रुप फोटो करवाया। एससीओ सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले का जिक्र किया, जिसमें एक नेपाली नागरिक सहित 26 नागरिक मारे गए थे।

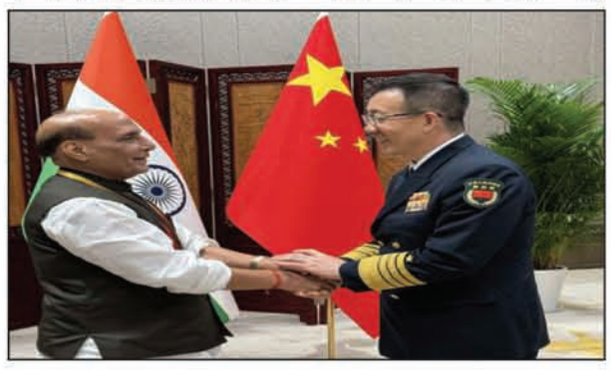

उन्होंने कहा कि भारत ने सीमा पार आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आत्मरक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया। उन्होंने एससीओ देशों से दोहरे मानदंडों को अस्वीकार करने और आतंकवाद की मदद करने वालों को जवाबदेह ठहराने का भी आग्रह किया। भारत ने एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में संयुक्त घोषणापत्र का समर्थन करने से इनकार कर दिया, क्योंकि इस घोषणापत्र में आतंकवाद से जुड़ी चिंताओं को बाहर रखा गया था।

ईरान में इजरायली हमलों में अब तक 627 लोगों की जान गयी

एजेंसी

तेहरान ईरान में 13 जून से अब तक इजरायल के हवाई हमलों में कम से कम 627 लोग मारे गये हैं और 4,870 अन्य घायल हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के जनसंपर्क प्रमुख हुसैन करमनपुर ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजधानी तेहरान और पश्चिमी ईरान के करमनशाह में सबसे अधिक लोगों की मौत हुई है और लोग घायल हुए हैं। अन्य प्रभावित प्रांतों में खुज़ेस्तान, लोरेस्तान, इस्फ़हान, मरकज़ी, पूर्वी अज़रबैजान, हमेदान, ज़ांजन और गिलान शामिल हैं। ईरान की समाचार एजेंसी 'मेहर' ने श्री करमनपुर के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि इजरायली हमलों में अबतक मारे गये लोगों में से 86.1 प्रतिशत की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि 13.9 प्रतिशत लोगों की मौत अस्पताल ले जाते समय या वहां पहुंचने के बाद हुई। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली हवाई हमलों में शीर्ष सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। इनमें ईरानी परमाणु वैज्ञानिक सेदिघी सबर भी शामिल हैं, जो सोमवार को देर रात ईरान-इजरायल युद्धविराम लागू होने से कुछ समय पहले इजरायली हमले में अपने परिवार के 11 सदस्यों के साथ मारे गए। यह हमला कैस्पियन सागर के पास उत्तरी ईरानी शहर अस्तानेह अशरफीह में हुआ।

बांग्लादेश ने नेपाल के अपर कर्णाली हाइड्रोपावर से बिजली खरीद समझौते को किया खारिज

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल से भारत के रास्ते 40 मेगावाट बिजली आयात करने वाली बांग्लादेश सरकार ने भारतीय अपर कर्णाली हाइड्रोपावर से बिजली खरीद समझौते को खारिज कर दिया है।

बांग्लादेश के विद्युत विकास बोर्ड ने अपर कर्णाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के साथ किए गए 500 मेगावाट विद्युत आपूर्ति समझौते के प्रारंभिक आशय पत्र को खारिज करने की जानकारी दी है। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के समय 2010 में भारत के साथ अधिक से अधिक बिजली खरीद को लक्षित करते हुए लाई गई विशेष ऊर्जा कानून लाया गया था। सत्ता उलटफेर के बाद बनी युनुस सरकार ने इस ऊर्जा कानून को ही रद्द कर दिया है, जिसके अंतर्गत नेपाल के साथ किए गए अपर कर्णाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से बिजली आपूर्ति समझौता भी खारिज हो गया है।

बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष रिजाउल करीम के हवाले से डेली आब्जर्वर अखबार ने पुष्टि की है कि नेपाल के साथ हुए 500 मेगावाट पावर परचेज एग्रीमेंट को भी खत्म करने का निर्णय लिया गया है। इस अखबार का दावा है कि अपर कर्णाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण भारतीय कंपनी जीएमआर, सतलुज जैसी कंपनियां कर रही थीं, इसलिए इस समझौते को खारिज किया गया है।

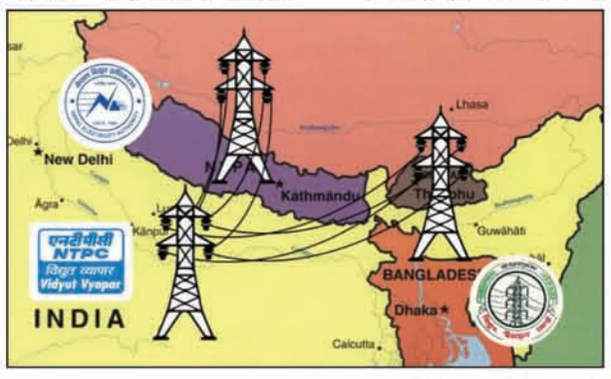

जीएमआर की तरफ से एसएम बोर्डे ने बांग्लादेश के ऊर्जा सचिव को फरवरी 2025 में एक पत्र लिखते हुए औपचारिक रूप से बिजली आपूर्ति समझौता करने का आग्रह किया था। इस पत्र में 2029 से लेकर 25 वर्षों तक के लिए बिजली आपूर्ति समझौता करने की बात उल्लेख की गई थी।

इज़रायल-ईरान युद्ध विराम से स्थायी शांति समझौते की संभावना नहीं - ब्रिटिश सांसद

एजेंसी

येरूशलम। ब्रिटिश संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स के कंजर्वेटिव सदस्य रिचर्ड बाल्फ़ ने कहा है कि ईरान और इज़रायल के बीच युद्ध विराम से सैन्य कार्रवाइयों में कमी आ सकती है लेकिन इससे स्थायी शांति समझौते की संभावना नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को देर रात कहा था कि इज़रायल और ईरान युद्ध विराम पर सहमत हो गए हैं जो 24 घंटे बाद से प्रभावी होगा और और इससे 12 दिनों के युद्ध का आधिकारिक अंत हो जायेगा। श्री ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि ईरान और इज़रायल के बीच युद्ध विराम अब प्रभावी है, साथ ही उन्होंने दोनों पक्षों से इसका उल्लंघन न करने का आग्रह किया था। श्री बाल्फ़ ने कहा, अगर यह काम करता है, तो यह अच्छी खबर है, लेकिन चूंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे को बहुत

नापसंद करते हैं, इसलिए इससे सैन्य कार्रवाई समाप्त हो सकती है, लेकिन इससे स्थायी समाधान की संभावना नहीं है।÷ श्री बाल्फ़ का मानना है कि अगर युद्ध विराम समझौता विफल हो जाता है तो ईरान और इज़रायल फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू कर देंगे हांलाकि इसकी स्तर नीचा रहेगा।मध्य पूर्व में स्थिति 13 जून को उस समय और बिगड़ गई थी जब इजरायल ने ईरान पर गुप्त सैन्य परमाणु कार्यक्रम लागू करने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले शुरू कर दिये थे। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल के अंदर सैन्य ठिकानों पर हमला किया। अमेरिका युद्ध में कूदते हुए 22 जून को तीन ईरानी परमाणु स्थलों - नतांज, फोर्डो और इस्फ़हान पर हमला किया था। ईरान ने सोमवार को अमेरिकी हमले के जवाब में कतर में अमेरिका के अल उदीद एयर बेस पर मिसाइल हमला कर दिया था।

तीस हजार अफगान शरणार्थी स्वदेश लौटे

एजेंसी

काबुल। ईरान से पश्चिमी हेरात में इस्लाम कला सीमा क्रॉसिंग के रास्ते अफगानिस्तान के 30,000 से अधिक शरणार्थी स्वदेश लौटे हैं। सूचना और संस्कृति विभाग के प्रांतीय निदेशक मावलवी अहमदुल्ला

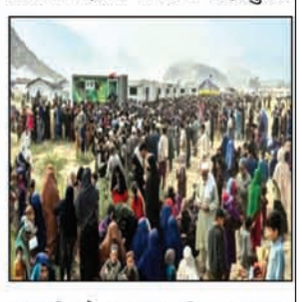

मुत्ताकी ने बताया कि अफगान शरणार्थियों की यह हाल के दिनों में सबसे बड़ी सामूहिक वापसी में से एक है। स्वदेश लौटने वाले लोगों को पानी, भोजन और तत्काल चिकित्सा देखभाल सहित सभी आवश्यक आपूर्ति प्रदान की गयी है। प्रांतीय निदेशक(प्रत्यावर्तन) के मुताबिक अनुमानित तौर पर निमरोज प्रांत में पुल-ए-अब्रेसहम सीमा क्रॉसिंग के रास्ते प्रत्येक दिन 2,000 से 3,000 व्यक्ति और लगभग 300 परिवार अफगानिस्तान लौट रहे हैं। अफगानी शरणार्थियों की संख्या करीब 70 लाख है जिनमें अधिकतर प्रवासी हैं और वर्तमान में ईरान तथा पाकिस्तान जैसे देशों में रह रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने चीन में रूस और बेलारूस के रक्षा मंत्रियों के साथ की बैठक

एजेंसी

चिंगदाओ। एससीओ के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने चीन के चिंगदाओं शहर पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस और बेलारूस के अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग बैठकें की। इन द्विपक्षीय बैठकों में क्षेत्र में चुनौतियों और सुरक्षा खतरों के साथ-साथ रक्षा सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, चिंगदाओ में बेलारूस के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल विक्टर खेनिन के साथ अच्छी बातचीत हुई। इससे पहले राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव से मुलाकात की और रक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक और व्यापक सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने एक्स पर लिखा, चिंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव से मिलकर मुझे खुशी हुई। हमने भारत-रूस रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर गहन विचार-विमर्श किया।भारत का रक्षा के क्षेत्र में रूस के साथ दीर्घकालिक एवं व्यापक सहयोग है, जो दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की अध्यक्षता में आईआरआईजीसी-एम एंड एमटीसी तंत्र द्वारा निर्देशित होता है। दीर्घकालिक और मुश्किल समय में एक-दूसरे के सहयोगी रहे दोनों देश कई द्विपक्षीय परियोजनाओं में शामिल रहे हैं, जिनमें एस-400 की आपूर्ति, टी-90 टैंकों और एसयू-30 एमकेआई का लाइसेंस प्राप्त उत्पादन, मिग-29, कामोव हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति, आईएनएस विक्रमादित्य (पूर्व में एडमिरल गोर्शकोव), भारत में एके-203 राइफलों का उत्पादन और ब्रह्मोस मिसाइलें शामिल है। नई दिल्ली और मास्को ने स्वीकार किया है कि सैन्य तकनीकी सहयोग समय के साथ क्रेता-विक्रेता ढांचे से विकसित होकर उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, सह-विकास और संयुक्त उत्पादन में परिवर्तित हो गया है। इससे पहले राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में आतंकवाद, कट्टरपंथ और उग्रवाद के खिलाफ एकजुट वैश्विक कार्रवाई का आह्वान किया और इन्हें क्षेत्रीय शांति और विश्वास के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत सरकार के चलाए ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने सीमा पार आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आत्मरक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया। राजनाथ सिंह ने एससीओ देशों से दोहरे मापदंड को खारिज करने और आतंकी प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया। उन्होंने संबोधन में आतंकवाद के प्रति भारत की शून्य सहनशीलता की नीति की पुष्टि करते हुए कहा कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं। एससीओ की बैठक ऑपरेशन सिंदूर के करीब डेढ़ महीने बाद आयोजित हो रही है। रक्षा मंत्री ने इस मंच का प्रयोग एक बार फिर पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को बेनकाब करने के लिए किया। एससीओ की तरफ से जारी संयुक्त बयान में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र नहीं था। वहीं, बलूचिस्तान का जिक्र था और बिना नाम लिए बलूचिस्तान में अशांति फैलाने के लिए भारत की तरफ इशारा किया गया था।

मिश्रित दिव्यांग सीरीजः लॉर्ड्स में भारत ने इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हराया

एजेंसी

लंदन। भारत की मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने सात मैचों की मिश्रित दिव्यांग वाइटैलिटी टी20 श्रृंखला में पहली जीत हासिल की है। भारत अब श्रृंखला में 1-2 से पीछे है। यह मुकाबला कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। यह लॉर्ड्स में खेला गया पहला अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट मैच था। खास बात यह रही कि ठीक 42 साल पहले, 25 जून 1983 को भारत ने कपिल देव की कप्तानी में इसी मैदान पर पहला विश्व कप खिताब जीता था। इस जीत को भारतीय टीम ने कपिल देव की 1983 की विश्व कप विजेता टीम को समर्पित किया।इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 123 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए ए. ब्राउन ने शानदार अर्धशतक लगाया और 47 गेंदों पर 77 रन (5 चौके, 5 छक्के) बनाए। उन्होंने आखिरी ओवर में 18 रन बटोरे और इंग्लैंड को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत के लिए तेज गेंदबाज विवेक कुमार ने 3 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट और कप्तान रविंद्र सांत ने 4 ओवर में मात्र 8 रन देकर 3 विकेट झटके।

पॉल पोग्बा की फुटबॉल में वापसी, एएस मोनाको से किया दो साल का करार

नई दिल्ली। फ्रांस के विश्व कप विजेता मिडफील्डर पॉल पोग्बा ने फुटबॉल में वापसी कर ली है। उन्होंने फ्रेंच क्लब एएस मोनाको के साथ दो साल का करार किया है, जो 2027 तक चलेगा। पोग्बा को अगस्त 2023 में जुवेंटस के लिए खेलते समय डोप टेस्ट में फेल होने के बाद चार साल का प्रतिबंध झेलना पड़ा था। हालांकि, अपील के बाद यह बैन घटाकर 18 महीने कर दिया गया। इसके बावजूद इटैलियन क्लब जुवेंटस ने उनका कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया था। फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम के मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आई है कि अब पोग्बा एएस मोनाको की जर्सी में पेशेवर फुटबॉल में वापसी करेंगे और दो साल तक क्लब के लिए खेलेंगे। 32 वर्षीय पॉल पोग्बा मैनचेस्टर यूनाइटेड की युवा अकादमी से निकले थे, लेकिन शुरुआत में उन्हें सर एलेक्स फर्ग्यूसन ने रिलीज कर दिया था। इसके बाद उन्होंने जुवेंटस में मिडफील्डर के रूप में खुद को स्थापित किया। चार सीज़न में उन्होंने क्लब के लिए आठ ट्रॉफियां जीतीं और 2015 में चैंपियंस लीग फाइनल तक पहुंचे। उनके प्रदर्शन से प्रभावित होकर मैनचेस्टर यूनाइटेड के उस समय के मैनेजर जोसे मोरिन्हो ने उन्हें 105 मिलियन यूरो की रिकॉर्ड राशि में वापस साइन किया। यूनाइटेड के लिए पोग्बा ने 154 मैच खेले और क्लब के साथ यूरोपा लीग और लीग कप जीते। हालांकि, क्लब के साथ उनके संबंध बिगड़ने के बाद उन्होंने फिर से जुवेंटस का रुख किया।

सूर्यकुमार यादव की जर्मनी में सफल स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी, जल्द शुरू करेंगे रिहैबिलिटेशन

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने जर्मनी के म्यूनिख शहर में अपने निचले दाहिने पेट में स्पोर्ट्स हर्निया की सफल सर्जरी करवाई है। यह जानकारी खुद सूर्यकुमार ने अपने सोशल मीडिया के ज़रिए साझा की। सूर्या ने अपने पोस्ट में लिखा, लाइफ अपडेट- निचले दाहिने पेट में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई है। सर्जरी सफल रही और अब मैं रिकवरी की राह पर हूं। जल्द वापसी करने के लिए उत्साहित हूं।स्पोर्ट्स हर्निया एक प्रकार की मांसपेशीय चोट होती है, जो ग्रोइन या निचले पेट के आसपास के मांसपेशियों, टेंडन या लिगामेंट्स को प्रभावित करती है। बीसीसीआई से मिली जानकारी के अनुसार, सर्जरी के करीब दो सप्ताह बाद सूर्यकुमार बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे।यह सूर्यकुमार की पिछले तीन सालों में तीसरी सर्जरी है। इससे पहले 2023 में उनके टखने की सर्जरी हुई थी और 2024 में उन्होंने इसी स्पोर्ट्स हर्निया का इलाज करवाया था। बावजूद इसके, उन्होंने हाल ही में आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए जबरदस्त प्रदर्शन किया और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। सूर्यकुमार ने इस सीज़न में 717 रन बनाए, जो केवल ऑरेंज कैप विजेता साई सुदर्शन (759 रन) से पीछे थे।

महिला हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025ः ओडिशा और पंजाब ने फाइनल में बनाई जगह

चेन्नई। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में चल रहे पहले महिला हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 में फाइनल की तस्वीर साफ हो गई है। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और हॉकी पंजाब ने सेमीफाइनल में शानदार जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब ब्रॉन्ज मेडल के लिए हॉकी हरियाणा और हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु आमने-सामने होंगी। पहले सेमीफाइनल में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 4-1 से हराया। ओडिशा की कप्तान लुसेला एक्का (4', 25') ने दो बेहतरीन फील्ड गोल कर अपनी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। उनके साथ सरिता रोशन मिंज (9') और असीमा संजय मिंज (30') ने भी गोल कर जीत को एकतरफा बना दिया।

न्यूजीलैंड ने ट्राई-सीरीज़ के लिए टीम की घोषणा की, मिल्ने और हेनरी की वापसी

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने आगामी टी20 ट्राई-सीरीज़ के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका और मेजबान ज़िम्बाब्वे भी शामिल हैं। इस टीम में तेज़ गेंदबाज़ एडम मिल्ने और मैट हेनरी की वापसी हुई है। अनकैप्ड बल्लेबाज़ बेवन जैकब्स, जो दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज़ का भी हिस्सा थे, ने अपनी जगह बरकरार रखी है। 23 वर्षीय जैकब्स को एक बार फिर मौका दिया गया है और कोच का मानना है कि वे घरेलू क्रिकेट और विभिन्न फ्रेंचाइज़ लीग्स में अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर चुके हैं। एडम मिल्ने नवंबर के बाद पहली बार टीम में लौटे हैं, वहीं मैट हेनरी कंधे की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। वह चोट उन्हें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान लगी थी। वहीं, तेज़ गेंदबाज़ बेन सियर्स चोट के चलते अनुपलब्ध हैं, लॉकी फर्ग्यूसन को

वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है और काइल जैमीसन पारिवारिक कारणों (पहले बच्चे के जन्म का इंतज़ार) से इस दौरे पर नहीं होंगे। डेवोन कॉनवे और मिच हे भी टीम का हिस्सा नहीं हैं, जबकि विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी टिम सिफर्ट को सौंपी गई है। कप्तान केन विलियमसन ने खुद को चयन के लिए अनुपलब्ध रखा है। यह दौरा न्यूजीलैंड के नए मुख्य कोच रॉब वॉल्टर का पहला कार्यभार होगा। उन्होंने एक बयान में कहा,मुझे लगता है कि हमारे पास इस दौरे के लिए एक मजबूत टीम है और मैं खिलाड़ियों के साथ काम शुरू करने को लेकर उत्साहित हूं।

उन्होंने आगे कहा,पाकिस्तान के खिलाफ मार्च सीरीज़ में आईपीएल की वजह से जो खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे, उन्हें फिर से टीम में देखकर अच्छा लग रहा है। यह ट्राई सीरीज बेहतरीन होगी, दक्षिण अफ्रीका एक मजबूत टीम है और ज़िम्बाब्वे अपने घरेलू हालात में हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है। रॉब वॉल्टर ने एडम मिल्ने के अनुभव को अहम बताया और कहा कि उनकी गेंदबाज़ी खासकर पावरप्ले में काफ़ी असरदार है। इसके साथ ही उन्होंने इस सीरीज़ को अगले साल होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी का अहम हिस्सा बताया।

बंगाल प्रो टी20 लीगः प्रियांका बाला ने अगले सीजन में जोरदार वापसी का किया वादा

एजेंसी

कोलकाता। बंगाल विमेंस प्रो टी20 लीग 2025 में अपने अभियान पर विचार करते हुए सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की कप्तान प्रियांका बाला ने टीम के समग्र प्रदर्शन को सराहा है, लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कुछ अहम मौकों पर टीम से गलतियां हुई। प्रियांका ने कहा कि जीत-हार खेल का हिस्सा है और टीम ने कई अच्छी चीज़ें की हैं, जिनसे सीखकर वे अगले सीजन में और मजबूत वापसी करेंगी।उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, टीम का प्रदर्शन कुल मिलाकर अच्छा रहा। कुछ गलतियां हुई, लेकिन वो क्रिकेट का हिस्सा हैं। जीत और हार आती-जाती रहती हैं। इस सीजन से हम बहुत कुछ सीखेंगे और अगली बार बेहतर तैयारी के साथ मैदान में उतरेंगे। हमारा लक्ष्य है कि हम और मजबूत बनकर वापसी करें। जब उनसे पूछा गया कि इस सीजन में टीम की क्या कमी रही, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, कोई बड़ी खामी नहीं थी, लेकिन कुछ अहम मौकों पर हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। फ्रेंचाइज़ी ने हमें हर तरह की सुविधा दी, लेकिन हम वो परिणाम नहीं दे पाए जिसकी उनसे उम्मीद थी। अगले साल हम पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ लौटेंगे। प्रियांका ने टीम प्रबंधन और सपोर्ट स्टाफ की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मैनेजमेंट बेहद सपोर्टिव रहा। टीम का माहौल सकारात्मक था। हर खिलाड़ी का रवैया सहयोगपूर्ण और प्रेरणादायक था। बतौर कप्तान और खिलाड़ी, यह सीजन मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अवसर रहा।

ईशा, विदर्सा और पार्थ राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में जीते

एजेंसी

देहरादून। ओलंपियन और मौजूदा मिक्स्ड टीम पिस्टल वर्ल्ड चैंपियन ईशा सिंह ने ग्रुप ए राइफल और पिस्टल निशानेबाज़ों के लिए चल रहे राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स 3 और 4 के तीसरे दिन जीत हासिल की। यह ट्रायल्स उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित हो रहे हैं। ईशा ने जहां तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टी3 स्पर्धा में जीत दर्ज की, वहीं केरल की विदर्सा विनोद ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) टी4 का खिताब अपने नाम किया और महाराष्ट्र के पार्थ राकेश माने ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी4 स्पर्धा में जीत हासिल की। यह दिन भारत के बेहतरीन राइफल और पिस्टल निशानेबाज़ों के बीच कड़े मुकाबले से भरपूर रहा ईशा ने क्वालिफिकेशन में 580 का स्कोर करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया था, लेकिन फाइनल के अंतिम चरणों में उन्होंने अपना दमखम दिखाते हुए महाराष्ट्र की अभिध्न्या अशोक पाटिल को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। तमिलनाडु की निवेदिता नायर तीसरे स्थान पर रहीं। क्वालिफिकेशन में 585 का शानदार स्कोर करके टॉप करने वाली अभिध्न्या, फाइनल की सातवीं सीरीज़ तक पहुँची ईशा से दो अंक आगे थीं, लेकिन एषा ने अंतिम दो सीरीज़ में एकदम परफेक्ट प्रदर्शन करते हुए पहले पांच हिट और फिर चार हिट दर्ज किए और कुल 41 अंक के साथ विजेता बनीं। अभिध्न्या ने अंतिम तीन सीरीज़ में कुल 7 अंक बनाए और 36 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि निवेदिता ने नौवीं सीरीज़ के बाद तीसरे स्थान पर रहते हुए प्रतियोगिता से बाहर हुईं, उनका स्कोर 30 रहा। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी4 स्पर्धा में अंतरराष्ट्रीय स्तर की तरह क्वालिफिकेशन में आठवां स्थान पाने के लिए 630.6 अंक की आवश्यकता रही। दो बार के ओलंपियन और 3पी विशेषज्ञ ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 633.5 अंकों के साथ टॉप किया, जबकि पार्थ ने 631.9 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया। टी3 ट्रायल्स के विजेता उमा महेश मडिनेनी ने फाइनल में शुरुआती बढ़त बनाई, जिसमें पूर्व विश्व नंबर एक और विश्व रिकॉर्डधारी दिव्यांश सिंह पंवार समेत सेना के तीन निशानेबाज़ भी शामिल थे। जूनियर विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता पार्थ ने शुरुआत में तीसरे स्थान के आसपास बने रहते हुए, 16वें शॉट के बाद ऐश्वर्य के साथ संयुक्त बढ़त बनाई। इसके बाद 17वें शॉट में 10.7 स्कोर कर उन्होंने एकल बढ़त हासिल की और अंत तक मजबूत पकड़ बनाए रखी। उन्होंने कुल 251.8 अंकों के साथ खिताब जीता। ऐश्वर्य केवल 0.3 अंकों से चूकते हुए दूसरे स्थान पर रहे, जबकि उमा महेश तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की 3पी टी4 स्पर्धा में केरल की विदर्सा विनोद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 45 शॉट्स के बाद 462.7 अंकों के साथ खिताब जीता। उन्होंने पंजाब की दो बार की ओलंपियन और पूर्व विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता अंजुम मौदगिल को 0.3 अंकों से हराया। हरियाणा की विश्व कप रजत पदक विजेता निश्चल तीसरे स्थान पर रहीं। इससे पहले, टी3 की विजेता पंजाब की सिफत कौर समरा ने 594 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में टॉप किया, उन्होंने विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता मेहुली घोष को एक अंक से पीछे छोड़ा। फाइनल में 587 अंकों के साथ छठा स्थान मिला।

कोरबा की आकाशी कश्यप ने योनक्स यूएस ओपन 2025 की शानदार शुरुआत की

एजेंसी

कोरबा। भारत की उभरती हुई बैडमिंटन स्टार आकाशी कश्यप ने योनक्स यूएस ओपन 2025 में अपने अभियान की जबरदस्त शुरुआत करते हुए चीनी ताइपे की टिंग यू लियांग को सीधे सेटों में हराकर महिला एकल के राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। यह प्रतिष्ठितएचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टूर्नामेंट में आकाशी के लिए एक आशाजनक शुरुआत है। मैच की पहली सर्विस से ही आकाशी ने तेज़ी, चतुराई और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। उनकी बेहतरीन कोर्ट कवरेज, सटीक ड्रॉप शॉट्स और रणनीतिक खेल ने प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा। यह सीधी सेटों में जीत उनके कठिन परिश्रम, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और परिपक्वता का परिचायक है।

मैच के बाद आकाशी ने विनम्रता के साथ कहा, ÷मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि मैंने योनक्स यूएस ओपन के पहले दौर में टिंग यू लियांग के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की है। शुरुआत मजबूत होना बेहद सुकूनदेह है। मैं ईश्वर, अपने कोचेस, शुभचिंतकों और खासकर एनटीपीसी कोरबा सीएसआर का धन्यवाद

करती हूं, जिनके निरंतर सहयोग ने मेरी इस यात्रा को संभव बनाया है।आकाशी कश्यप को एनटीपीसी कोरबा के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (छ्स्क्र) कार्यक्रम का समर्थन प्राप्त है। इस पहल ने उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं में भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को साबित करने का अवसर प्रदान किया है। उनकी यह जीत न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ और संवेदनशील छ्स्क्र समर्थन भारत के उभरते खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर सफलता दिलाने में कितनी अहम भूमिका निभा सकता है।

अब अगली चुनौती है राउंड ऑफ 16, जिसमें आकाशी का सामना मलेशिया की के. लेत्शाना से होगा – यह मुकाबला दो युवा, फुर्तीले और होनहार खिलाड़ियों के बीच एक रोमांचक भिड़ंत साबित होने की उम्मीद है। जैसे-जैसे योनक्स यूएस ओपन 2025 आगे बढ़ रहा है, भारत सहित दुनिया भर के प्रशंसक आकाशी को पूरे उत्साह से समर्थन दे रहे हैं। वह आज भारतीय खेलों में प्रतिभा, समर्पण और सहयोग की शक्ति का प्रतीक बनकर उभरी हैं।

जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीगः चेन्नई बुल्स और हैदराबाद हीरोज ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

मुंबई। जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के पहले सीज़न में चेन्नई बुल्स और हैदराबाद हीरोज़ ने अपने शानदार प्रदर्शन से खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया। मुंबई के शाहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए मुकाबलों में चेन्नई ने कालिंगा ब्लैक टाइगर्स को 40-21 से हराया, जबकि हैदराबाद ने दिल्ली रेड्ज को 40-19 के बड़े अंतर से शिकस्त दी। दिन के पहले मुकाबले में चेन्नई बुल्स ने शुरू से ही आक्रामक तेवर अपनाते हुए टाइगर्स की रक्षापंक्ति पर दबाव बना लिया। वाफौएसे मालीको ने शुरुआती लम्हों में तेज दौड़ के साथ ट्राय कर टीम को बढ़त दिलाई। टाइगर्स ने काइल ट्रेमब्ले और मैनुएली मैइसामोआ के ट्राय और

मॉरिस लॉन्गाबॉटम व ईथन टर्नर की कन्वर्ज़न किक्स से वापसी की कोशिश की, लेकिन चेन्नई की जवाबी रणनीति कहीं अधिक सटीक साबित हुई। चेन्नई की ओर से जोसेवा तलाकोलो और वाफौएसे मालीको ने एक के बाद एक ट्राय किए, जबकि गौरव कुमार ने सटीक कन्वर्ज़न से स्कोर को लगातार बढ़ाया। तीसरे क्वार्टर तक चेन्नई 12 अंकों की बढ़त बना चुका था। अंतिम चरण में फिलिपे साउतुरागा और अलेक्जेंडर डेविस ने ट्राय किए, जिसे कन्वर्ट कर तलाकोलो ने टीम के लिए निर्णायक बढ़त पक्की की। टाइगर्स के लिए लुकास लाकैम्प ने अंत में ट्राय ज़रूर किया, लेकिन तब तक चेन्नई की जीत सुनिश्चित हो चुकी थी। दूसरे मुकाबले में हैदराबाद हीरोज़ ने दिल्ली रेड्ज़ के शुरुआती आक्रामक खेल के बावजूद जबरदस्त वापसी करते हुए 40-19 से मुकाबला अपने नाम किया। रेड्ज़ के जॉर्डन कॉनरॉय ने ट्राय कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन हैदराबाद की रणनीतिक पकड़ ने जल्दी ही मैच का रुख पलट दिया। जावेद हुसैन, लाउटारो वेलेज, केविन वेकेसा और वोल्फ्राम हैकर ने लगातार ट्राय कर दिल्ली की डिफेंस को बिखेर दिया। वेलेज ने कन्वर्ज़न में सटीकता दिखाते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। तीसरे क्वार्टर के अंत तक हीरोज़ 40-5 से आगे हो चुके थे। जोजी नासोवा के ट्राय और वेलेज की कन्वर्ज़न ने टीम के स्कोर में और इजाफा किया। अंतिम क्वार्टर में दिल्ली ने पैट्रिक ओकोंगो, माटियास ओसादुचुक और अलेजांद्रो लाफोर्गा के ज़रिये कुछ अंक जोड़े, लेकिन तब तक मुकाबला हीरोज़ के नाम हो चुका था।

फोर फ्रेंड्स क्लब ने अंडर-14 लीग का खिताब जीता

एजेंसी

प्रयागराज। फोर फ्रेंड्स क्लब ने विप्लव स्पोर्टिंग क्लब को 47 रन से हराकर शशि द्विवेदी अंडर 14 बालक क्रिकेट लीग का खिताब जीत लिया। केपी कॉलेज मैदान पर खेले गए मैच में फोर फ्रेंड्स क्लब ने 35.5 ओवर में 114 रन (निखिल प्रजापति 27, महफूज हाशमी 25, विनीत कुमार व संत लाल 20-20, शिवम केसरवानी 4-16, ईशान सिंह 3-12, अमन गुप्ता 2-28, अनिमेष यादव 1-28) बनाए। जवाब में विप्लव स्पोर्टिंग क्लब की टीम 27.1 ओवर में 67 रन (ईशान सिंह 15, अनिमेष यादव 13, अमन गुप्ता 11, आदित्य पांडेय 3-06, अंश पाल 3-11, महफूज हाशमी 2-11, विवेक गौतम 1-07) पर सिमट गई।

मैच में शिशिर मेहरोत्रा व हितेश श्रीवास्तव ने अंपायरिंग एवं खुर्शीद अहमद ने स्कोरिंग की। इससे पूर्व इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक एवं लीग कमेटी के चेयरमैन डॉ. सुरेश द्विवेदी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक सुनील दत्त कौटिल्य ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। एसीए के संयुक्त संयोजक (लीग एवं मंडल) एलबी काला एवं एसीए की जूनियर चयन समिति के अध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ भेंट की। निदेशक आरपी भटनागर ने कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापित एसीए के संयुक्त संयोजक (प्रबंधन) सोमेश्वर पांडेय ने किया। इस मौके पर मोहम्मद आसिफ, अजय कुशवाहा, ऋषि आदि मौजूद रहे।

'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' अभियान 29 जून को, स्वच्छता सेनानी निभाएंगे अग्रणी भूमिकाः डॉ मनसुख मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने आगामी 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' अभियान को लेकर स्वच्छता सेनानियों से इसमें सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया है। यह विशेष संस्करण 29 जून को देशभर के 500 से अधिक स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें 15,000 से अधिक प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है।

डॉ मांडविया ने कहा, फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस आह्वान से जुड़ा है जिसमें उन्होंने भारत को स्वस्थ, स्वच्छ और सक्रिय राष्ट्र बनाने का सपना साझा किया। इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए इस बार हमारे स्वच्छता सेनानी इसमें प्रमुख भागीदारी करेंगे, जिससे यह संस्करण और भी प्रेरणादायक बनेगा।

यह अभियान अब छोटे-छोटे

कस्बों और गांवों तक पहुंच चुका है। चित्रदुर्ग (कर्नाटक), सोलालगांव (असम), जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़), पंढरपुर (महाराष्ट्र) जैसे क्षेत्रों में भी नियमित रूप से यह आयोजन हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सभी नगर निगमों और शहरी स्थानीय निकायों से इस पहल को अपनाने और अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

एक राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप

गत वर्ष दिसंबर 2023 में 500 साइकिल चालकों के साथ शुरू हुआ यह अभियान आज एक राष्ट्रीय जनआंदोलन बन चुका है। अब तक यह देश के 10,500 से अधिक स्थानों पर आयोजित हो चुका है, जिसमें 3.75 लाख से अधिक लोग हिस्सा ले चुके हैं। इस अभियान को देशभर के खेलो इंडिया सेंटर्स (केआईसी), खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई), साई ट्रेनिंग सेंटर्स (एसटीसी), खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों (केआईए) और राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य, स्वच्छता और सहभागिता का संगम

फिट इंडिया साइकिल अभियान अब न केवल स्वास्थ्य और व्यायाम का प्रतीक है, बल्कि यह स्वच्छ भारत के लक्ष्यों से भी जुड़ चुका है। स्वच्छता सेनानियों की भागीदारी से यह संदेश और भी व्यापक रूप में जन-जन तक पहुंचेगा कि स्वस्थ और स्वच्छ भारत केवल सरकार नहीं, हर नागरिक की सहभागिता से संभव है।

ट्रैविस हेड की जुझारू पारी से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जगाईं उम्मीदें

ब्रिजटाउन। केनसिंग्टन ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन (भारतीय समयानुसार) ट्रैविस हेड की जुझारू बल्लेबाजी ने ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में बनाए रखा है। पिच पर तेज गेंदबाजों को लगातार मदद मिल रही है और मैच तीसरे दिन से आगे जाता नहीं दिख रहा। पहली पारी में वेस्टइंडीज ने 190 रन बनाकर 10 रन की मामूली बढ़त हासिल की थी। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत भी लड़खड़ाई और टीम ने 65 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। हालांकि ट्रैविस हेड और ब्यू वेबस्टर ने मोर्चा संभाला और स्टंप्स तक स्कोर 92/4 तक पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया को अब तक 82 रन की बढ़त मिल चुकी है।

42 वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारम्भ

एजेंसी

मुरादाबाद। रिजर्व पुलिस लाइन के बैडमिंटन सभागार में 42 वीं उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारम्भ बतौर मुख्य अतिथि मुरादाबाद परिक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक मुनिराज ने किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नौकरी, पढ़ाई के साथ-साथ खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना सरहनीय है। हम सभी को विभिन्न खेलों में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करना चाहिए। खेलों के माध्यम से खिलाड़ी अपने विभाग अपने प्रदेश अपने देश का नाम रोशन करतेहैं।

प्रतियोगिता का समापन 29 जून को होगा। इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर से पुलिस सेवा में तैनात दिग्गज खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिता की मेजबानी पिछले वर्ष भी मुरादाबाद पुलिस ने की थी। सुबह और शाम दोनों समय स्पर्धाएं खेली जाएगी। पुलिस लाइन

बैडमिंटन सभागार के अलावा नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में भी मुकाबले होंगे।प्रतियोगिता में लखनऊ जोन, पीएसी मध्य जोन, बरेली जोन, मेरठ जोन, जीआरपी कानपुर जोन, वाराणसी जोन, प्रयागराज जॉन, आगरा जोन, गोरखपुर जोन, रेडियो जोन, पीएस पूर्वी जोन की टीम में प्रतिभाग कर रही है। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह सहित विभिन्न पुलिस अधिकारी, कोच, रेफरी व खिलाड़ी उपस्थित रहे।

लेगेन जेड टी-10 लीगः गिब्स, रॉस टेलर, दिलशान, इरफान, यूसुफ और फिंच करेंगे टीमों की कप्तानी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की गलियों से निकले 74 होनहार खिलाड़ियों का सपना अब टेलीविजन पर उतरने को तैयार है। लेगेन जेड टी-10 लीग ने अपने पहले सीजन के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत के दिग्गजों की भागीदारी की घोषणा कर दी है। इस रोमांचक लीग में हर्शल गिब्स, रॉस टेलर, तिलकरत्ने दिलशान, इरफान पठान, यूसुफ पठान और एरॉन फिंच जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे टीमों की कप्तानी करते नजर आएंगे।

गली से टीवी तकः सपना जो अब बना हकीकत

लीग का नारा गली से टीवी तक न सिर्फ़ एक वाक्य है, बल्कि उन 74 भारतीय युवाओं की उम्मीदों की तस्वीर है, जो देश के विभिन्न कोनों से चुनकर आए हैं। टेनिस बॉल क्रिकेट खेलने वाले ये खिलाड़ी अब उन्हीं दिग्गजों के साथ एक ही डगआउट में होंगे, जिन्हें वे अब तक सिर्फ़ टीवी पर देखा करते थे।

लीग के चेयरमैन और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने कहा, रॉस टेलर, दिलशान और यूसुफ पठान जैसे दिग्गजों को भारत के ग्रासरूट टैलेंट के साथ खेलते देखना हमारे लिए सपना सच होने जैसा है। हमारा लक्ष्य हमेशा अंतरराष्ट्रीय अनुभव को देश की जड़ों से जोड़ना रहा है। लेजेन-जेड टी10 लीग ने अपने पहले सीजन के लिए स्टार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज हर्शल गिब्स और मखाया एनटिनी, श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज तिलकरत्ने दिलशान, न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर, भारत के पूर्व ऑलराउंडर यूसुफ पठान और इरफान पठान तथा पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में शामिल हैं। लीग के संस्थापक एवं सीईओ चिरंजीव दुबे ने कहा, हमारा उद्देश्य अनदेखी प्रतिभा को पहचान देना है। इन ग्लोबल आइकॉन्स की मौजूदगी के साथ गली क्रिकेट को टीवी पर लाना अब हकीकत बन चुका है। लीग की सह-संस्थापक मीनाक्षी अग्रवाल ने कहा, यह दृश्य अविश्वसनीय होगा, गली क्रिकेट के खिलाड़ी, अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों के साथ मैदान साझा करते हुए। यही है नया भारत! क्रिकेट सलाहकार समिति के प्रमुख रविकांत भट्ट ने बताया, हमने भारत के कोने-कोने से ऐसे खिलाड़ियों को चुना है, जिनके पास संसाधन भले कम हों, पर सपने बड़े हैं। ये खिलाड़ी भारतीय टेनिस बॉल क्रिकेट की आत्मा हैं। लीग के सीओओ सुरेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि ट्रायल्स के दौरान हमने जो जोश, हुनर और संकल्प देखा, उसने साबित कर दिया कि भारत की गलियां भविष्य के सितारों से भरी पड़ी हैं। लेगेन जेड टी-10 लीग का पहला संस्करण न सिर्फ क्रिकेट बल्कि भारत की युवा शक्ति और सपनों की जीत का प्रतीक बन रहा है। यह लीग आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट की दिशा और दशा दोनों को नया आयाम दे सकती है।

हर्शल गिब्स (कप्तान), लक्षिता रणसिंघे, राशर्ड फुलर, मखाया एंटिनी, अक्षय राठौड़, सुरजीत सिंह देयोल, पवन भारद्वाज, हनी यादव, शिवम शर्मा, रोहित मांझी, अभिषेक पाठक, दिनेश कुमार, रोहित, अमेय शिंदे, प्रशांत वीके, आशीष गावित।

तिलकरत्ने दिलशान (कप्तान), मार्टिन गुप्टिल, ब्राउन विलियम्स, परविंदर अवाना, नईम मोहम्मद, मंदीप अवाना, निलिमेश रॉय, शिवम कुलथे, गुप्ता मनीष, आकाश कुमार, युवराज राव, अकबर बेग, कल्विक रे, अदनान बिन खालिद, रवि स्वामी, जय कुमार।

डिवोर्स रूमर्स के बीच

ऐश्वर्या शर्मा

का बयान, बोलीं-शोर नहीं गरिमा को चुना...

'गुम है किसी के प्यार में फेम कपल नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा पिछले काफी समय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियो में बने हैं। लंबे समय से खबरें आ रही हैं कि नील और ऐश्वर्य की शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें आ गई हैं। कहा जा रहा है कि दोनों अलग होने जा रहे हैं और काफी समय से दोनों ने साथ में कोई पोस्ट भी शेयर नहीं की है। ऐसे में लोग दावा कर रहे हैं कि दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। इस बीच अब एक्ट्रेस ऐश्वर्या ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर दिया है। उनका कहना है कि उनके नाम का इस्तेमाल झूठी और गलत खबरों को फैलाने के लिए न करें।

ऐश्वर्या शर्मा ने 26 जून को इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है उसमें उन्होंने लिखा-मैं लंबे समय से चुप हूं। इसलिए नहीं कि मैं कमजोर हूं, बल्कि इसलिए कि मैं अपनी शांति को बचा रही हूं। लेकिन जिस तरह से आप में से कुछ लोग ऐसी बातें लिखते रहते हैं जो मैंने कभी नहीं कही, ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जिनका मैंने कभी सपोर्ट नहीं किया, और बिना सबूतों या जवाबदेही के अपने प्रमोशन के लिए मेरे नाम का यूज करते हैं, वो बेहद दर्दनाक है। मैं साफ कर दूं मैंने कोई इंटरव्यू, बयान या रिकॉर्डिंग नहीं दी है।

नील भट्ट और उनके डिवोर्स रूमर्स काफी टाइम से फैल रहे हैं और इन पर बोलते हुए ऐश्वर्या ने आगे लिखा- आपके पास कोई वास्तविक सबूत है, तो कोई मैसेज, ऑडियो या वीडियो जिसमें मैंने ये बातें कही हों, उसे दिखाएं। अगर नहीं, तो मेरे नाम पर खबरें फैलाना बंद करें। मेरी लाइफ आपका कंटेंट नहीं है। मेरी चुप्पी को आपकी परमिशन की जरूरत नहीं है। प्लीज याद रखें सिर्फ इसलिए कि कोई चुप है इसका मतलब यह नहीं है कि उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। इसका मतलब है कि वो शोर के बजाए गरिमा को चुन रहा है।

नील और ऐश्वर्या की गुम है किसी के प्यार में के दौरान पहली मुलाकात हुई थी, इसी शो से इन दोनों की दोस्ती हुई थी, जो बाद में प्यार बदल गई। शो में देवर-भाभी का रोल निभाने वाले नील और ऐश्वर्या ने एक साल बाद ही शादी कर ली थी।

उसके बाद दोनों सम्राट जोड़ीऔर बिग बॉस 17 में नजर आए। बिग बॉस 17 में ऐश्वर्या को कई बार नील पर गुस्सा करते और उन पर भड़कते देखा गया था लेकिन हर बार नील उनको प्यार से मना लेते थे। जब से दोनों शो से बाहर आए हैं तभी से इनके डिवोर्स रूमर्स अक्सर ही गॉसिप गलियारों में देखने को मिलते हैं।

'जेहरे मुल्क दा खाईए, उस दा बुरा नहीं...' 'सरदार जी 3' पर फंसे दिलजीत को गुरु रंधावा की खरी-खरी

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ की आने वाली फिल्म 'सरदार जी 3' रिलीज से पहले ही काफी विवादों में घिर गई है. फिल्म का टीजर बाहर आया, जिसके बाद बवाल मचा हुआ है. फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर भी अहम किरदार में हैं, ऐसे में फिल्म को लेकर काफी विवाद हो रहा है. फिल्म को लेकर दिलजीत को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. फिल्म को भारत में बैन कर दिया गया है. वहीं फैंस दिलजीत को गद्दार कह रहे हैं और उन्हें बायकॉट करने की मांग कर रहे हैं.सरदार जी 3 को लेकर चल रहे विवाद के बीच इंडस्ट्री में भी अलग-अलग लोगों के बयान सामने आ रहे हैं. पहले मीका सिंह ने बिना दिलजीत का नाम लिए एक क्रिप्टिक पोस्ट किया था, वहीं अब सिंगर और एक्टर गुरु रंधावा ने भी एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है, जिसने सभी फैंस को चौंका दिया है.

गुरु रंधावा ने क्या लिखा ?

गुरु रंधावा के पोस्ट को देखकर इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने दिलजीत दोसांझ पर ही कटाक्ष किया है. गुरु ने अपने पोस्ट में लिखा- लाख परदेसी होईए, अपना देश नहीं बदला दा, जेहरे मुल्क दा खाईए, उस दा बुरा नहीं मांगी दा अगर अब आपकी नागरिकता भारतीय नहीं है तो इसका मतलब ये नहीं कि ये बात भूल जाएं कि आप इस मुल्क में जन्में थे. इस देश ने कई बड़े आर्टिस्ट बनाए और हम सबको इस बात का फक्र है. आपको भी फक्र होना चाहिए कि आप यहां पैदा हुए थे. ये बस एक सलाह है. प्लीज फिर से कोई कंट्रोवर्सी शुरू ना करिएगा और भारतीयों को फिर से बहलाइएगा मत. पीआर बिगर देन आर्टिस्ट.

पाकिस्तानी कलाकारों पर लगा बैन

आपको बता दें कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और फिर भारत-पाक तनाव के बीच पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में काम करने से बैन कर दिया गया था. पाकिस्तानी सिनेमा और वहां के कलाकारों को देश में हुए विरोध के बाद पूरी तरह से बैन कर दिया गया था.

हालांकि, सरदार जी 3 की टीम की तरफ से कहा गया है कि फिल्म दोनों मुल्कों के बीच हुए तनाव के पहले शूट की गई थी. हानिया पाकिस्तान की बड़ी स्टार हैं, ऐसे में फिल्म का विरोध किया जा रहा है.

आमिर खान की सितारे जमीन पर की आंधी में बह गई सनी देओल की जाट, 6 दिन में इतना रहा वर्ल्डवाइड कलेक्शन

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर सिनेमाघरों में रिलीज के बाद से ही धमाल मचा रही है. फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है. 18 साल बाद आए तारे जमीन पर के सीक्वल को लेकर बज़ बना हुआ था और फिल्म के ट्रेलर ने फैंस का ध्यान आकर्षित किया था. अब बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के आंकड़े बता रहे हैं कि इस फिल्म को देखने के लिए फैंस सिनेमाघरों में जाना पसंद कर रहे हैं. यहां तक कि फिल्म ने सनी देओल की जाट को भी पीछे छोड़ दिया है. आइये जानते हैं कि 6 दिनों में सितारे जमीन पर ने दुनियाभर में कितनी कमाई की.

भारत में सितारे जमीन पर ने कितने कमाए ?

सैकनिल्क की रिपोर्ट्स की मानें तो आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर ने 6 दिनों में 98.60 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म ने ओपनिंग डे पर 10.7 करोड़ कमाए थे. इसके बाद वीकेंड में फिल्म ने 2 दिनों में करीब 50 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया. फिलहाल वीकडेज में भी ये फिल्म ठीकठाक कलेक्शन करने में सफल रही है. भारत में हिंदी बेल्ट में सितारे जमीन पर का कलेक्शन तो अच्छा जा रहा है वहीं फिल्म को साउथ में उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है.

दुनियाभर में सितारे जमीन पर ने इतने कमा लिए

सितारे जमीन पर के ओवरसीज कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने 33.40 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. मतलब कि फिल्म को विदेशों में भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. कुल मिलाकर 6 दिन में दुनियाभर में आमिर की फिल्म ने 132 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म का बजट रिपोर्ट्स के मुताबिक 90 करोड़ रुपए के करीब है. मतलब कि फिल्म ने अपना बजट निकाल लिया है और अब फिल्म मुनाफा कमा रही है.

सनी देओल की जाट को आमिर खान की सितारे जमीन पर ने छोड़ा पीछे

आमिर खान की फिल्म कमाई के साथ ही अब कई रिकॉर्ड्स भी बना रही है. फिल्म ने साल 2025 में ही आई सनी देओल की जाट को धूल चटा दी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट्स के मुताबिक जाट फिल्म ने भारत में 88 करोड़ कमाए थे और फिल्म का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 118.36 करोड़ रुपए का रहा था. मतलब की अब आमिर की फिल्म ने सनी देओल की जाट को पीछे छोड़ दिया है. अब देखने वाली बात होगी कि ये फिल्म आने वाले समय में और कौन सी मूवीज का काम तमाम करती है.

51 की उम्र में मिनी स्कर्ट पहन

उर्मिला मातोंडकर

ने दिखाया ग्लैमर, हो गई ट्रोल, लोग बोले- आर्टिफिशियल है सब

फिल्मी सितारे अपनी फिटनेस को लेकर काफी सीरियस रहते हैं. कोई घंटों जिम में बिताते हैं, तो कुछ स्पेशल डाइट फॉलो करते हैं. सिर्फ आज की यंग एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि 90 के दशक की एक्ट्रेस भी इस मामले में कम नहीं हैं. तब फिल्मों से और अब फिटनेस से कड़ी टक्कर दे रही हैं. इसी बीच 'रंगीला गर्ल' rmila Matondkar लाइमलाइट में आ गई हैं. वजह है उनका लेटेस्ट लुक. 51 साल की एक्ट्रेस को ग्लैमर दिखाना इतना महंगा पड़ गया कि जमकर ट्रोल होने लगी हैं. लोगों ने उनके बदले हुए चेहरे को देखकर भर-भरकर कमेंट्स किए हैं.

दरअसल उर्मिला मातोंडकर 51 साल की उम्र में भी काफी फिट हैं. तो वो अपना फिट फिगर फ्लॉन्ट करने का कोई मौका नहीं छोड़तीं. एक्ट्रेस फिल्मों से बेशक दूर हों पर लोगों के दिल के अब भी करीब हैं. उर्मिला की आखिरी हिंदी फिल्म 'ईएमआई' थी, जो साल 2008 में रिलीज हुई थी. पर उसके बाद वेब सीरीज और मराठी सिनेमा में काम करती दिख चुकी हैं. लेकिन अब नए लुक में उन्हें ट्रोल क्यों किया जा रहा है ?

51 साल की उर्मिला मातोंडर क्यों हुई ट्रोल ?

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने एक दिन पहले इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं. पिंक मिनी स्कर्ट और ब्लेजर स्टाइल टॉप में एक्ट्रेस काफी स्टाइलिश और ग्लैमरस लग रही थीं. खुले बाल और मिनिमल मेकअप के साथ उन्होंने अपना लुक कंप्लीट किया था. अपना फिट फिगर फ्लॉन्ट कर रहीं एक्ट्रेस की जहां कुछ लोगों ने तारीफ की. तो कुछ ऐसे भी हैं, जिन्होंने जमकर ट्रोल कर दिया. एक यूजर लिखती हैं कि- इन्होंने अपने मुंह पर क्या करवा लिया. तो दूसरा कहता है- या तो यह 10 जीबी एआई का काम है, या फिर 10 KG ozempic का. एक और ब्यूटी आर्टिफिशियल शो ऑफ में खो गईझदरअसल एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उनके इंस्टाग्राम पर 1 मिलियन फॉलोअर्स हैं. पॉलिटिशियन, एक्ट्रेस और सोशल एक्टिविस्ट उर्मिला मातोंडकर अपने पल-पल की अपडेट फैन्स के साथ शेयर करती हैं. एक्ट्रेस अक्सर एक से बढ़कर एक ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. साथ ही फिटनेस को लेकर काफी फोक्स्ड हैं. 51 की उम्र में ऐसी फिटनेस देखकर लोग भी तारीफ करते हैं.

कब हुई थी करियर की शुरुआत

उर्मिला मातोंडकर ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर की शुरुआत की थी. उनकी फिल्म 1977 में आई थी, जिसका नाम था- 'कर्म'. 1983 में आई फिल्म 'मासूम' के बाद एक्ट्रेस को पहचान हासिल हुई थी. हालांकि, बतौर लीड एक्ट्रेस उन्होंने करियर की शुरुआत 'नरसिम्हा' से की थी.

बिहार में शुरू हुआ विशेष गहन पुनरीक्षण

नई दिल्ली
भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आरंभ कर दी है। इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक मतदाता की पात्रता की पुष्टि करना है, ताकि चुनावी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और समावेशी बनाया जा सके। आयोग ने बताया कि यह कार्य संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुरूप हो रहा है, जो मतदान के लिए पात्रता की शर्तें निर्धारित करता है। आयोग की ओर से शनिवार को जारी जानकारी में बताया गया कि बिहार के सभी 243 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में घर-घर जाकर गणना फॉर्म वितरित किए जा रहे हैं। इन फॉर्म को ऑनलाइन भरने की भी सुविधा दी गई है, जिससे प्रक्रिया को सरल और तकनीक-सक्षम बनाया गया है। बिहार में वर्तमान में कुल 7,89,69,844 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें से करीब 4.96 करोड़ निर्वाचकों के नाम पहले से ही 1 जनवरी 2003 की आधार तारीख पर नामावली में हैं। इन्हें बस अपने विवरण की पुष्टि करके फॉर्म भरना और जमा करना है। निर्वाचन आयोग ने इस प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए 77,895 बूथ लेवल अधिकारियों की तैनाती की है, जबकि नए मतदान केंद्रों के लिए 20,603 अतिरिक्त बीएलओ नियुक्त किए जा रहे हैं। साथ ही, एक लाख से अधिक वॉलंटियर्स, विशेष रूप से वृद्ध, दिव्यांग, बीमार और अन्य कमजोर वर्गों की सहायता के लिए लगाए गए हैं। राजनीतिक दलों की भागीदारी भी उल्लेखनीय है। आयोग के अनुसार, मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों ने अब तक 1,54,977 बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए हैं और और अधिक एजेंटों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। एसआईआर के तहत बिहार के 5.74 करोड़ पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर एसएमएस भेजे जा रहे हैं, जिससे मतदाताओं को समय रहते जानकारी दी जा सके। सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बीएलओ को पूर्णकालिक रूप से पुनरीक्षण कार्य में लगाएं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, एसआईआर से संबंधित सभी गतिविधियां निर्धारित समय-सीमा के अनुसार सुचारू रूप से चल रही हैं।

प्रेरणा फाउंडेशन ने STAR INDIAN ICON अवॉर्ड शो का किया आयोजन

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के द्वारका स्थित रेडिसन ब्लू होटल में प्रेरणा फाउंडेशन द्वारा आयोजित STAR INDIAN ICON AWARD शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसका नेतृत्व प्रेरणा फाउंडेशन के संस्थापक पलविंदर सिंह ने किया 2002 से समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय प्रेरणा फाउंडेशन अब तक 20,000 से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ चुकी है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सतत प्रयासरत है। इस विशेष आयोजन में समाज, शिक्षा, चिकित्सा, कला, साहित्य और उद्यमिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में सेलिब्रिटी गेस्ट और लोकप्रिय अभिनेत्री नवीना बोले और कमल घिमिरे ने अपनी उपस्थिति से शो की शोभा बढ़ाई। अवॉर्ड समारोह के साथ-साथ HONORARY DOCTORATE की उपाधियां भी दी गईं, जिनके माध्यम से समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की गई। इस अवॉर्ड शो में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्साह और उल्लास से भर दिया। डांस, म्यूज़िक और मोटिवेशनल स्पीच के माध्यम से प्रतिभागियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया।कार्यक्रम के दौरान एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी दिया गया, जिसमें यह बात उठाई गई कि जिस प्रकार कुछ कानून महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं, उसी तरह पुरुषों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा के लिए भी समान संवैधानिक प्रावधान होने चाहिए। यह संदेश समाज में संतुलन और समानता की दिशा में एक सकारात्मक पहल माना गया। इस अवसर पर पलविंदर सिंह द्वारा लिखित पुस्तक का भी विमोचन किया गया, जिसमें उन्होंने अपनी समाजसेवी यात्रा के प्रेरणादायक अनुभव साझा किए हैं।कार्यक्रम का समापन सम्मानित अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजकों के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ

पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने की कोशिश हो रही: टीएमसी

कोलकाता
पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण की आड़ में पिछले दरवाजे से एनआरसी लागू करने की भयावह कोशिश की जा रही है। चुनाव आयोग के अभियान की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की पार्टियां इस मुद्दे को संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह उठाएंगी।

टीएमसी ने टाइमिंग पर उठाए सवाल
चुनाव आयोग ने बीते सोमवार को दिशा निर्देश जारी किए, जिनके तहत बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनर्निरीक्षण करने और अयोग्य नामों को हटाया जाना है। निदेशों के तहत सिर्फ योग्य और वैध मतदाताओं के नाम ही मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। हालांकि विपक्षी पार्टियों का आरोप है कि भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए चुनाव आयोग यह पूरी कवायद कर रहा है। इससे पहले बिहार में मतदाता सूची में संशोधन अंतिम बार साल 2003 में किए गए थे। टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने सवाल उठाया कि 'अब अचानक से मतदाता सूची की जांच क्यों की जा रही है?

अशोक विहार में 18 अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार, पांच ने ट्रांसजेंडर बनकर छिपाई पहचान

दिव्य दिल्ली : अशोक विहार इलाके में चलाए गए विशेष प्रवासी-विरोधी अभियान के दौरान बड़ी सफलता हाथ लगी है। विदेशी प्रकोष्ठ, उत्तर-पश्चिम जिले की समर्पित टीमों ने सतर्क निगरानी और सुनियोजित कार्रवाई के बाद 18 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। इनमें 10 वयस्क और 3 बच्चे शामिल हैं, जो वैध वीजा या यात्रा दस्तावेजों के बिना भारत में रह रहे थे। इनके कब्जे से प्रतिबंधित IMO ऐप इंस्टॉल किए सात स्मार्टफोन बरामद किए गए, जिनका उपयोग बांग्लादेश में अपने परिजनों से संपर्क करने के लिए किया जा रहा था।अभियान के दौरान पांच ऐसे लोग भी पकड़े गए, जो खुद को ट्रांसजेंडर महिला बताकर पहचान छुपाने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस जांच में सामने आया कि इन्होंने अपनी पहचान छिपाने के लिए भारी मेकअप, महिलाओं के कपड़े, नकली बाल और अन्य स्त्री-सुलभ सामानों का सहारा लिया था। कुछ ने हार्मोनल उपचार और मामूली सर्जरी तक कराई थी ताकि कानूनी जांच को चकमा दिया जा सके।इन सभी को हिरासत में लेकर विदेशियों के सेल में भेजा गया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए ऋक्षफ्रॠ, आरके पुरम के सुपुर्द किया गया है। पुलिस का कहना है कि अवैध रूप से भारत में रहकर पहचान बदलने की यह प्रवृत्ति कानून और वास्तविक ट्रांसजेंडर समुदाय दोनों के लिए गंभीर चुनौती है।

केरल के स्कूलों में जुम्बा क्लास, मुस्लिम संगठन का विरोध

बोले- ये अश्लीलता; शिक्षा मंत्री ने कहा- ऐसी सोच ड्रग्स से ज्यादा जहरीली

तिरुवनंतपुरम
केरल के स्कूलों में इस साल से जुम्बा क्लास शुरू की जाएंगी। कुछ स्कूलों में ये क्लास शुरू भी हो गई है। केरल शिक्षा विभाग ने नशा विरोधी अभियान के तहत स्कूलों में फिटनेस कार्यक्रम शुरू किया है। इसी के तहत कई स्कूलों ने जुम्बा ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया है। मुस्लिम संगठनों ने जुम्बा डांस का विरोध किया है। इन संगठनों ने लड़के-लड़कियों के एक दूसरे के साथ घुलने-मिलने और कम कपड़े पहनकर साथ में डांस करने पर ऐतराज जताया है। मुस्लिम संगठनों का कहना है कि यह अश्लीलता को बढ़ावा देने जैसा है। हमें इसे स्वीकार नहीं करेंगे। विजडम इस्लामिक संगठन के महासचिव टीके अशरफ ने कहा- मेरा बेटा इस सेशन में भाग नहीं लेगा। शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने कहा कि ऐसी सोच समाज में नशीली दवाओं से भी ज्यादा घातक जहर घोल देंगी।

मुस्लिम नेता बोले- फिटनेस के नाम पर अश्लीलता ना थोपें
एक मुस्लिम संगठन समस्ता के नेता नसर फैजी कूदाथाई ने इस कदम को व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन और शारीरिक फिटनेस के नाम पर अश्लीलता थोपना बताया। उन्होंने कहा- जुम्बा में कम से कम कपड़े पहनकर साथ में डांस किया जाता है। अगर सरकार ने बड़े बच्चों को भी ऐसा करने का निर्देश दिया है, तो यह आपत्तिजनक है। नसर फैजी ने कहा, मौजूदा फिजिकल ट्रेनिंग को बेहतर बनाने के बजाय, हमें अश्लीलता करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यह उन छात्रों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन है, जिनके नैतिक मूल्य भी डांस करने की अनुमति नहीं देते हैं।

शिक्षा मंत्री ने कहा- बच्चों को हंसने और स्वस्थ रहने दें
केरल के शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने सरकार के फैसले का बचाव किया और फेसबुक पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें मुस्लिम छात्र जुम्बा सेशन में भाग लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो कासरगोड के थानबीहुल इस्लाम हायर सेकेंडरी स्कूल का है। शिवनकुट्टी ने कहा, बच्चों को खेलने, हंसने, मौज-मस्ती करने और स्वस्थ रहने दें।

लैंडस्लाइड के चलते केदारनाथ हाईवे फिर बंद

नई दिल्ली
मौसम विभाग ने देश के 31 राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की है। यूपी-बिहार समेत देश के 27 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र (मध्य), केरल में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के सोनप्रयाग में शुक्रवार देर रात तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुई। इस वजह से केदारनाथ हाईवे बंद हो गया है। रास्ते से मलबे को हटाने का काम जारी है। पुलिस ने यात्रियों को कुछ दूर पहले सुरक्षित स्थान पर ही रोक लिया है। राजस्थान के 29 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। शुक्रवार को जैसलमेर, जयपुर, सीकर, अलवर समेत 25 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। वहीं, बिजली गिरने से बूंदी में एक युवक और महिला, सिरोही में बच्चे और डूंगरपुर में युवक की मौत हो गई। महाराष्ट्र में तेज बारिश जारी है। मुंबई में समुद्र में हाई टाइड उठ रहा है। इस वजह से समुद्र किनारे की सड़कों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, महाराष्ट्र के चंद्रपुर का ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व का मेन एरिया मानसून की वजह से 1 जुलाई से तीन महीने के लिए पर्यटकों के लिए बंद किया गया है।

हाईकोर्ट ने चुनाव पर लगी रोक को हटाया तो निर्वाचन आयोग ने चुनाव की अधिसूचना जारी की

दिव्य दिल्ली : नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल हाईकोर्ट ने चुनाव पर लगी रोक को हटाने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। जिसमें अब 24 और 28 जुलाई को मतदान होगा तथा 31 जुलाई को मतगणना होगी जबकि पूर्व में 10 व 15 जुलाई को मतदान होना था। आरक्षण से संबंधित नियमावली हाई कोर्ट में आने के बाद चुनाव पर रोक लगा दी गई थी लेकिन बीते शुक्रवार को हाईकोर्ट ने चुनाव से रोक हटा दी थी। जिसके बाद चुनाव आयोग ने शनिवार को चुनाव की तिथियां की घोषणा कर दी है। जिसके चलते सम्भावित उमीदवारों को ग्रामीण क्षेत्रों में जाने का व जनता से मिलने का काफी समय मिल गया है। उम्मीदवारों के चेहरे पर अब रौनक सी लौट आई है। कई उम्मीदवार मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान किये जाने के लिए पूर्व से ही तैयारी में लगे हुए हैं।

हिमाचल में मानसून की मार, एक हफ्ते में 31 की मौत, करोड़ों की संपत्ति नष्ट

शिमला
हिमाचल प्रदेश में मानसून की दस्तक इस बार तबाही लेकर आई है। 20 जून को शुरू हुए मानसूनी सीजन ने पहले ही सप्ताह में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य के कांगड़ा और कुल्लू जिलों में बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और सड़क दुर्घटनाओं ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बीते एक सप्ताह में वर्षा जनित विभिन्न हादसों में अब तक 31 लोगों की जान जा चुकी है जबकि 66 लोग घायल हुए हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 20 से 27 जून के बीच सबसे अधिक 17 मौतें सड़क हादसों में हुई हैं। इसके अलावा फ्लैश फ्लड में 5 लोग मारे गए हैं, पानी के तेज बहाव में बहने से 4, पहाड़ी से फिसलने से 2, करंट लगने और सांप के काटने से एक-एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। अन्य एक व्यक्ति की जान अन्य कारणों से गई है। सबसे ज्यादा मौतें कांगड़ा जिले से सामने आई हैं जहां 10 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मानसून की शुरूआत से ही राज्य में आपदा जैसे हालात बन गए हैं। अब तक 37 मवेशियों की मौत हो चुकी है और 4 लोग लापता बताए जा रहे हैं। छह घर पूरी तरह से ढह गए हैं जबकि आठ मकानों को आंशिक क्षति पहुंची है। साथ ही सात दुकानें, आठ पशुशालाएं और एक घराट भी मलबे में तब्दील हो चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार केवल एक सप्ताह में राज्य को करीब 29.16 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में शनिवार को भी बारिश जारी रही। मौसम विभाग ने आगामी 3 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। विशेष रूप से 29 जून को भारी वर्षा की आशंका के चलते ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। सोलन और सिरमौर जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी गई है। प्रशासन ने लोगों से नदियों और नालों के समीप न जाने और सतर्कता बरतने की अपील की है।
राज्य भर में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण 53 सड़कें यातायात के लिए बंद हो गई हैं। बिजली और पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। 135 ट्रांसफार्मर और 147 पेयजल योजनाएं बंद हो चुकी हैं। कुल्लू जिला सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक है जहां 23 सड़कें बंद पाई गई हैं। निरमंड और आनी उपमंडलों में बिजली और जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

एअर इंडिया ने 4 कर्मचारियों से इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली
एअर इंडिया ने अपने ग्राउंड हैंडलिंग वेंचर के 4 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए कहा है। ये कार्रवाई इनकी एक पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद की गई। इन कर्मचारियों ने अहमदाबाद प्लेन हादसे के 8 दिन बाद यह पार्टी की थी। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा, 'अहमदाबाद प्लेन हादसे की दुखद घटना से प्रभावित परिवारों के साथ हम पूरी संवेदना के साथ खड़े हैं। वायरल वीडियो में कर्मचारियों का व्यवहार है, वह हमारी कंपनी की पॉलिसी के खिलाफ है। हमने जिम्मेदार लोगों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।'

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397